जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर, रविवार 7 सितम्बर, 2025

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

गरीबी से मुक्ति हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति व पर्यावरण से बेहतर कोई उपाय नहीं

यजुर्विद संहिता का एक महत्वपूर्ण सूत्र हैः दारिद्र्यपाशाद्धरुतो न दुःखम्, शिक्षारोग्येणविमुक्तिरिष्टा। शान्तिप्रकृत्यासहिता च सिद्धिः, नास्त्यत्रमार्गोऽपरतोहिश्रेष्ठः।। तात्पर्य यह है कि गरीबी के बंधन से बड़ा कोई दुःख नहीं है। शिक्षा और स्वास्थ्य से ही वांछित मुक्ति प्राप्त होती है। शांति और प्रकृति के साथ सिद्धि प्राप्त होती है। इससे बेहतर कोई और मार्ग नहीं है। इसी बात को यहाँ और भी स्पष्ट किया गया हैः दारिद्र्यादधिकः निःसन्देहंनास्ति, तस्यविमुक्तयेशिक्षारोग्यशान्तिपर्यावरणानि श्रेष्ठानि साधनानि, अन्येषांन्यूनत्वात्। तात्पर्य यह है कि गरीबी से बड़ा कोई अभिशाप नहीं है, और उससे मुक्ति दिलाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण से श्रेष्ठ कोई उपाय नहीं देखा जाता। आज की चर्चा पुनः इसी विषय पर है।

मेरा जीवन एक साधारण गाँव में शुरू हुआ जहाँ अकूत गरीबी थी। मेरे पिता प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे और मैं प्रायः उनको इस संघर्ष में देखता था कि कैसे वे एक ओर अपने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते थे और दूसरी ओर सरकारी अफसरों और नेताओं से हाथ जोड़कर अपने पदस्थापन स्थान के विकास के लिए याचना करते थे। मैंने तब इस बात को स्वयं जिया कि कैसे गरीबी न केवल जीवन की गुणवत्ता को कम करती है, बल्कि यह व्यक्ति की आत्मा को भी छलनी कर देती है। इस अभिशाप से मुक्ति पाने की छटपटाहट में मैंने शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण के महत्व को आत्मसात और क्रियान्वित किया।

शिक्षा ने मेरे लिए विश्व के बंद दरवाजे खोले। शिक्षा मेरे लिए ज्ञान की वह रोशनी लेकर आई, जिसने मुझे अपनी स्थितियों को समझने और उन्हें बदलने की रणनीति और शक्ति दी। स्वास्थ्य ने मुझे यह सिखाया कि एक स्वस्थ शरीर में ही एक स्वस्थ और निर्मल मन निवास करता है, और यही निर्मल मन व्यक्ति के समग्र कल्याण का बीज है। शांति ने मुझे आंतरिक संतुलन और सामंजस्य के चमत्कारी प्रभाव को समझाया, जो हमारे भीतर सहयोग और सद्भावना को बढ़ाता है। हमारे आसपास का पर्यावरण और उसको बेहतर रखने के प्रति सचेत रहने से मुझे यह समझ पाना सुलभ हुआ कि प्राकृतिक संसाधन हमारे जीवन केमूल आधार हैं, और इनकी सुरक्षा करना हमारी असल में हमारी अपनी भलाई के लिए अनिवार्य है।

इस प्रकार, मेरी कहानी आपको यह सिखा सकती है कि गरीबी से लड़ने और विजय पाने हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति, और पर्यावरण कोसाथ लेकर चलना होगा। ये चारों स्तंभ व्यक्तिगत जीवन के साथ ही समग्र समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। जब हम इन स्तंभों को सशक्त बनाते हैं, तो हम न केवल गरीबी के विरुद्ध एक प्रबल लड़ाई लड़ सकते हैं, बल्कि एक ऐसे समाज की नींव रख सकते हैं जो अधिक समृद्ध, स्वस्थ, और शांतिपूर्ण हो।

अपनी जीवन यात्रा में मैंने यह भी सीखा कि जब समाज एक साथ मिलकर काम करता है, तो बदलाव लाना तुलनात्मक रूप से शीघ्रतापूर्वक संभव हो पाता है। शिक्षा के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना, स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाना, शांति की दिशा में काम करना, और पर्यावरण की रक्षा करना–ये सभी कार्य तब और अधिक प्रभावी होते हैं जब हम सभी इसमें साझा प्रयत्न करते हैं। मेरी कहानी यह भी दर्शाती है कि गरीबी एक बड़ी चुनौती है, लेकिन इसे पराजित करने के लिए हमारे पास शक्तिशाली रणनीतियाँ उपलब्ध हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति, और पर्यावरण के माध्यम से हम व्यक्तिगत जीवन को बेहतर बना सकते हैं, और साथ ही पूरे समाज और राष्ट्र को भी उन्नित की ओर ले जा सकते हैं। इस दिशा में मिलजुल कर किया गया कार्य एक ऐसे भविष्य की ओर ले जा सकता है जहाँ गरीबी मात्र इतिहास का हिस्सा बन कर रह जाए।

शिक्षा और कौशल का महत्व तो जगजाहिर है। इससे न केवल ज्ञान और कौशल प्राप्त होते हैं, बल्कि उसे आत्मनिर्भरता की एक महत्वपूर्ण शर्त है। एक अनपढ़ व्यक्ति जो अपने अधिकारों से अनभिज्ञ होता है, उसे प्रायः शोषण का सामना करना पड़ता है। जब वही व्यक्ति शिक्षित हो जाता है, तो वह न केवल अपने अधिकारों की रक्षा कर सकता है, बल्कि अपने जीवन की बेहतरीहेतु सही निर्णय ले सकता है।

शिक्षा के साथ ही स्वास्थ्य भी गरीबी से मुक्ति का एक अनिवार्य साधन है। बीमारियों से मुक्त एक स्वस्थ व्यक्ति अपने कार्य में अधिक सक्षम होता है और तुलनात्मक रूप से अधिक आय अर्जित कर सकता है। इसके उलट, एक बीमार व्यक्ति अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं कर सकता, जिससे उसकी आर्थिक स्थिति दुष्प्रभावित होती है। स्वास्थ्य सेवाओं का सुलभ होना और उनकी गुणवत्ता दोनों ही महत्वपूर्ण है। एक स्वस्थ समाज ही एक समृद्ध और सुखी समाज की नींव रख सकता है।

यह आवश्यक है कि हम शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, और शांति के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा दें और इन्हें अपनी राष्ट्रीय नीतियों का केंद्र बिंदु बनाएं। इस प्रकार, हम एक ऐसे भविष्य की ओर अग्रसर होंगे जहाँ हर नागरिक के पास अपनी पूर्ण क्षमता को प्राप्त करने का अवसर होगा।

शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ ही शांति भी गरीबी से मुक्ति का एक अनिवार्य घटक है। एक शांतिपूर्ण समाज में, व्यक्तियों, परिवारों और समाज को अपनी क्षमताओं को विकसित करने और आर्थिक अवसरों का लाभ उठाने के बेहतर अवसर प्राप्त होता है। जिस समाज में हिंसा और अशांति होती है उसमें सतत विकास की संभावनाएं घट जाती हैं और गरीबी बढ़ती जाती है। फलतः, शांति को बढ़ावा देना और आपसी संघर्षों को कम करना गरीबी से मुक्ति के लिए अनिवार्य है।

गरीबी को मिटाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, और शांति के साथ–साथ पर्यावरण का संरक्षण भी अत्यंत आवश्यक है। पर्यावरणीय स्थिरता से हमारे संसाधन सुरक्षित रहते हैं, जो कि सतत आर्थिक, सामाजिक और पारिस्थितिकीय विकास और लोगों के कल्याण में मौलिक भूमिका निभाते हैं। जब पर्यावरण संरक्षित होता है, तो यह खाद्य सुरक्षा में योगदान देता है, प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करता है, और स्वच्छ जल, वायु और मृदा प्रदान करता है। इस प्रकार, पर्यावरणीय स्थिरता प्राकृतिक पारिस्थितिकीय तंत्रों के साथ ही मानव समाज के स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिरता के लिए भी अनिवार्य है। इसलिए, गरीबी उन्मूलन की हमारी रणनीतियों में पर्यावरणीय संरक्षण को भी प्रमुख स्थान देना चाहिए। प्राकृतिक जलवायु समाधान जिसमें कार्बन पृथक्करण और संचय, जैव–विविधता का संरक्षण, और आजीविका में सुधार शामिल हैं, एक ऐसा रास्ता देते हैं जो गरीबी उन्मूलन के लिए आवश्यक संसाधनों का सुदृढीकरण भी करते हैं।

इन चारों स्तंभों – शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण – को सुदृढ़ करने से ही गरीबी के चक्र को तोड़ा जा सकता है और एक समृद्ध समाज की नींव रखी जा सकती है। इसके लिए आवश्यक है कि सरकारें और समाज के सभी वर्ग इन क्षेत्रों में प्राथमिकता से निवेश करें। इन मूलभूत कारकों को सम्हाले बिना गरीबी के विरुद्ध एक प्रभावी और निर्णायक लड़ाई नहीं लड़ी जा सकती।

यदि एक देश अपने बच्चों और नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरणीय सुरक्षा, और शांतिपूर्ण जीवन नहीं दे सकता, तो वास्तव में उसके पास देने के लिए और क्या बचता है? ये सभी तत्व न केवल एक समृद्ध समाज की नींव हैं, बल्कि ये हर व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण हैं। एक व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र के रूप में हमारी प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि हम इन मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करें और अपने नागरिकों को एक सुरक्षित, स्वस्थ, और शिक्षित भविष्य प्रदान करें। यदि हमारा देश अपने नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरणीय सुरक्षा और शांतिपूर्ण जीवन प्रदान करने में सफल होता है, तो यह व्यक्तिगत जीवन की गुणवत्ता को तो बढ़ाएगा ही साथ ही समाज के समठा विकास को भी सुनिश्चित करेगा। इन मूलभूत कारकों को ध्यान रखकर तय की गई प्राथमिकता ही वह आधार है जिस पर एक समृद्ध राष्ट्र का निर्माण होता है।

इस विश्लेषण में हम आने वाले समय में यह स्पष्ट करेंगे कि कैसे शिक्षा नागरिकों को नई तकनीकें और विचार सीखने में मदद कर सकती है, स्वास्थ्य सेवाएं कैसे उन्हें अधिक उत्पादक बना सकती हैं, पर्यावरणीय संरक्षण कैसे संसाधनों की रक्षा कर सकता है, और शांति कैसे हमारे समाज को अधिक सहयोगी और सद्भावपूर्ण बना सकती है। हम उम्मीद करते हैं कि इस विश्लेषण के माध्यम से प्राप्तनिष्कर्ष समाज और सरकारों को इन क्षेत्रों में नीतियाँ और कार्यक्रम विकसित करने के लिए प्रेरित करेंगे, जिससे गरीबी कम होने के साथ ही देश की समग्र प्रगति भी सुनिश्चित होगी।

हम इस श्रृंखलाबद्ध विश्लेषण को इस आशा और विश्वास के साथ प्रस्तुत कर रहे हैं कि यह ज्ञान, गरीबी को मिटाने के लिए समाज और सरकारों को एक नई दिशा देगा। जब एक देश अपने बच्चों और नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरणीय सुरक्षा, और शांतिपूर्ण जीवन प्रदान करने में सफल होता है, तो यह न केवल व्यक्तिगत जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाता है बल्कि समाज के समग्र विकास को भी सुनिश्चित करता है। ये सभी तत्व एक समृद्ध समाज की नींव हैं और हर व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण हैं। इससे न केवल हमारे देश की समग्र उन्नति सुनिश्चित होगी, बल्कि यह हमारे नागरिकों को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी और सक्षम बनाने में भी मदद करेगा। यह आवश्यक है कि हम शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, और शांति के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा दें और इन्हें अपनी राष्ट्रीय नीतियों का केंद्र बिंदु बनाएं। इस प्रकार, हम एक ऐसे भविष्य की ओर अग्रसर होंगे जहाँ हर नागरिक के पास अपनी पूर्ण क्षमता को प्राप्त करने का अवसर होगा।

हम इस बात को समझते हैं कि गरीबी एक जटिल समस्या है जिसका समाधान एक क्षेत्र में कार्य करने से नहीं, अपितु एक समन्वित और समग्र दृष्टिकोण से ही हो सकता है। इसलिए हमारी श्रृंखला विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के विचारों और अनुभवों को साझा करेगी, और शोध–आधारित विचारों को आगे लायेगी, जिससे नवाचार और सुधार के लिए प्रेरणा मिल सके। अंत में, हम आशा करते हैं कि यह श्रृंखला न केवल जागरूकता बढ़ाएगी बल्कि समाज और सरकारों को उन नीतियों और कार्यक्रमों को अपनाने के लिए प्रेरित करेगी जो वास्तव में गरीबी को कम करने और हमारे देश को एक समृद्ध भविष्य की ओर ले जाने में सहायक होंगे।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

खोया पाया की समीक्षा, पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना से राम जल सेतु तक

रामपाल जाट

'भाखड़ा मैनेजमेंट बोर्ड' में पंजाब तथा हरियाणा के एक–एक सदस्य हैं किंतु राजस्थान का कोई सदस्य नहीं है। जबकि राजस्थान इसके लिए निरंतर प्रयासरत है। हरिके बैराज पर नियंत्रण नहीं होने से राजस्थान की भागीदारी के पानी में भी अनेक बार कटौती की जाती है। 'इंदिरा गांधी नहर परियोजना' में 8.6 एमएएफ पानी में से राजस्थान को 7.59 एमएएफ पानी ही प्राप्त हो रहा है। राजस्थान की भागीदारी का 0.6 एमएएफ पानी नहीं प्राप्त नहीं हो रहा है। इसके अतिरिक्त जब भी पानी की आवक में कमी होती है तो हरिके बैराज पर पंजाब का नियंत्रण होने से राजस्थान की भागीदारी का पानी कम कर दिया जाता है। राजस्थान निचले भाग (डाउनस्ट्रीम) में होने से सदैव ही पानी प्राप्त करने में घाटे में रहता है। इसी प्रकार नोहर सिद्धमुख नहर से 0.47 एमएएफ पानी प्राप्त होना था किंतु उसमें से 0.30 एमएएफ पानी ही प्राप्त हो रहा है एवं 0.17 एमएएफ हरियाणा ने रोक रखा है। परिणामतः राजस्थान के नोहर, भादरा एवं सिद्धमुख क्षेत्र को पानी की आपूर्ति से वंचित रहना पड़ता है।

राजस्थान एवं हरियाणा के मध्य यमुना जल हथिनी कुंड पर 577 तथा ओखला हेड पर 386 मिलियन घन मीटर पानी राजस्थान की भागीदारी में आया था किंतु 30 वर्ष उपरांत भी अभी तक यह पानी भी राजस्थान को प्राप्त नहीं हुआ है। गुड़गांव नहर की क्षमता में बढ़ोतरी का समझौते का ज्ञापन–अनुबंध (एमओयूए) होने पर भी हरियाणा ने अभी तक अपनी सहमति व्यक्त नहीं की है। इसी प्रकार राजस्थान और हरियाणा तथा भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के मध्य 17 फरवरी 2024 को यमुना जल के वितरण के लिए हथिनी कुंड पर 577 मिलियन घन मीटर पानी ताजेवाला हेड से भूमिगत पाइपलाइन द्वारा चुरु, झुन्झनू एवं अन्य जिलों को सिंचाई –पेयजल का पानी जुलाई से अक्टूबर की अवधि में देने का एमओयू होने के उपरांत भी हरियाणा ने यमुना बेसिन में तीन स्थान रेणुकाजी, लखवार एवं किशु पर पानी के संग्रहण की व्यवस्था कर ली है।

बांसवाड़ा जिले में स्थित माही बांध में गुजरात की 40 प्रतिशत तथा राजस्थान की भागीदारी 16प्रतिशतआरम्भिक रूप से थी। वर्ष 1966 के समझौते के अनुसार गुजरात के खेड़ा जिले में नर्मदा का पानी आ जाने के उपरांत राजस्थान की भागीदारी 40 प्रतिशत तथा गुजरात की भागीदारी 16 प्रतिशत रह जाती है। इस समझौते के अनुसार वर्ष 2006 में नर्मदा का पानी खेड़ा जिले को प्राप्त हो गया किंतु 19 वर्षों में भी राजस्थान की भागीदारी का 40 प्रतिशत पानी अभी तक राजस्थान को प्राप्त नहीं हुआ है।

'दूध का जला छाछ भी फूंक फूंक कर पीता है' इन्ही कटु अनुभवों के आधार पर चंबल सहित राजस्थान एवं मध्य प्रदेश में बहने वाली नदियों के जल बंटवारे को लेकर 3 जून 1999 को दोनों राज्यों के मध्य लिखित समझौता हुआ। उस समय मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत थे। इसका अनुमोदन 25 अगस्त 2005 को किया गया था। तब राजस्थान में मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे तथा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री बाबूलाल गौर थे। यह सुखद आश्चर्य है कि समझौता करने वाले दोनों मुख्यमंत्री कांग्रेस के थे तथा अनुमोदन करने वाले दोनों मुख्यमंत्री भाजपा के थे। इनमें से किसी ने भी छोटा मन नहीं रखा वरन् दलीय राजनीति से ऊपर उठकर जनहित के कार्य में उत्साहपूर्वक सकारात्मकता का प्रदर्शन किया। इस समझौते के बाद ही मध्य प्रदेश में काली सिंध नदी पर मोहनपुरा एवं कुंडालिया बांधों का निर्माण कराया गया। इन कार्यों के लिए मध्य प्रदेश ने विश्व बैंक से ऋण लिया था। उसकी औपचारिकता पूर्ण करने के लिए राजस्थान के जल संसाधन विभाग के तत्कालीन प्रमुख शासन सचिव ने अनापत्ति दी थी। उक्त समझोते के अनुसार मध्य प्रदेश को अनापत्ति की आवश्यकता नहीं थी, इसलिए उन्होंने कार्य पहले ही आरंभ कर दिया था।

दोनों राज्यों की जनता के हित में यह विलक्षण समझौता धरातल पर आया था। जिसमें प्रत्येक राज्य को अपनी भूमि पर बांध या उस जैसा कोई भी निर्माण अपनी भूमि पर करने, अपने राज्य के कैचमेंट एरिया के पानी का उपयोग के आधार पर परियोजना तैयार करने तथा दूसरे राज्य के कैचमेंट एरिया के 10ई से अधिक पानी का उपयोग नहीं करने पर अनापत्ति की आवश्यकता समाप्त कर दी गई थी। राजस्थान में इसी समझौते के आधार पर स्वयं के नियंत्रण एवं संचालन को दृष्टिगत रखते हुए केंद्रीय जल आयोग की देखरेख में वर्ष 2017 में 'पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना' का विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार किया था।

देश के प्रधानमंत्री की धारणा के अनुसार पानी का महत्व राजस्थान से अधिक कोई नहीं जानता. इसलिए जलशक्ति मंत्रालय की कमान राजस्थान को सौंपी गयी थी। वर्ष 2019 से लेकर 2024 तक की अवधि में केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री के कारण इस समझौते को शून्य करने की कार्यवाही राजस्थान की जनता को सदैव चुभती रहेगी। राजस्थान की जनता इस प्रकार की जनहित की बलि देने जैसी कार्यवाही करने वालों को कभी क्षमा नहीं करेगी। राजस्थान का नियंत्रण एवं संचालन में बाधा उत्पन्न करने तथा राजस्थान को प्राप्त होने वाले पानी की मात्रा को कम करना राजस्थान की जनता के साथ अन्याय है।

पार्वती–कालीसिंध चम्बल लिंक परियोजना पर तैयार नये प्रारूप में इस परियोजना में कुन्नू बेसिन के पानी को राजस्थान से काटकर मध्य प्रदेश को दे दिया गया है। इसके बदले में पार्वती नदी से पानी लिया जाना प्रस्तावित है। मध्यप्रदेश एव राजस्थान के लिए कुन्नू और पार्वती से पानी प्राप्ति हेतु 75 प्रतिशत निर्भरता का प्रावधान किया गया है। इससे 50 प्रतिशत निर्भरता की अपेक्षा प्राप्त पानी की मात्रा आधी रहेगी। क्योंकि 50 प्रतिशत निर्भरता के अनुसार 4 वर्ष में से 2 वर्ष पानी का संठाहण किया जा सकता है। जबकि 75 प्रतिशत निर्भरता के अनुसार 4 वर्ष में से 1 वर्ष ही पानी का संग्रहण किया जाएगा। कुन्नू नदी का पूर्ण पानी मध्यप्रदेश को प्राप्त होगा जबकि पार्वती नदी में दोनों प्रदेशों की भागीदारी होने एवं मध्य प्रदेश के ऊपरी बेसिन (अप स्ट्रीम) होने के कारण राजस्थांन को प्राप्त होने वाले पानी की कटौती की सम्भावना बनी रहेगी। वैसे भी पार्वती नदी पर मध्य प्रदेश सात से अधिक परियोजनाएँ तैयार कर चुका है। इनमें सोनचिरी, रामवासा, बकोरा, पदुनिया, सेवरखेड़ी, सेकरी एवं सुल्तानपुर आदि है। राजस्थान एवं मध्य प्रदेश के बीच किया गया समझौता ज्ञापन–अनुबंध (एमओए) समानता पर आधारित नहीं होने के कारण न्याय संगत नहीं है। मध्य प्रदेश में काली सिंध नदी पर 2013–14 से 2018–19 तक मोहनपुरा एवं कुंडालिया बांध बना लिए थे। अब पार्वती नदी पर पातनपुर बांध का निर्माण कार्य चल रहा है। इन बांधों के द्वारा 1100 मिलियन घन मीटर पानी तो मध्य प्रदेश ने पहले ही सुरक्षित कर लिया। इसे सम्मिलित करने पर मध्य प्रदेश को प्राप्त होने वाले पानी की मात्रा 4,742 मिलियन घन मीटर है। जबकि राजस्थान में उपयोग होने वाले पानी की मात्रा 3405 मिलियन घन मीटर है अर्थात 1337 मिलियन घन मीटर पानी मध्य प्रदेश को अधिक आवंटित किया गया है। इस परियोजना के पानी की गणना में पुनर्चक्रित 522 मिलियन घन मीटर पानी को जोड़ना कल्पनावलम्बित होने से रोचक तथ्य है। कल्पना के आधार पर देश में ही नही बल्कि विश्व में भी एसी प्रणाली अब तक धरातल पर नही उतरी है।

मध्य प्रदेश में कुंडालिया तथा मोहनपुरा बांधों का कार्य वर्ष 2018–19 तक 5 वर्षों में पूरा कर लिया गया था। जबकि मूल 'पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना' का विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) वर्ष 2017 में तैयार होने के बाद 8 वर्ष में कार्यपूर्णता की ओर नहीं बढ़ पाया है। बल्कि पेयजल योजनायों के पूर्ण होने का कार्यकाल भी राज्य में वर्ष 2054 तक निश्चित किया गया है। राजस्थान में सिंचाई परियोजना का कार्य मध्यप्रदेश की तुलना में पिछडने का तथ्य स्पष्ट है।

वर्ष 2019 से 2024 तक केंद्र सरकार में जल शक्ति मंत्री ने इस परियोजना को अटकाना, लटकाना एवं प्रधानमंत्री कार्यालय को भटकाना आरंभ रखा, तब धुआं उठा था। अब केंद्र एवं राज्य सरकार के मंत्रियों के कारण इस परियोजना के मूल स्वरूप में आग दिखाई देने लगी है। जिन्होंने पक्षपात नहीं करने की सौगंध खाई थी वे ही पानी की मात्रा घटाने के उपरांत उपयोग बढ़ाने के द्वारा इस परियोजना के लाभान्वितों को संकट में डालने का काम कर रहे हैं। उपलब्धता घटना तथा उपयोग बढ़ना परियोजना को असफलता की और धकेलने वाला कदम है। जिस व्यक्ति को कोढ़ की बीमारी हो, उसे खुजली चलने लगे तो सुखचैन समाप्त हो जाता है। सरकार चलाने वाले चुनाव जीतने जैसे निजी स्वार्थ के लिए राज्य के सार्वजनिक हितों के स्थान पर स्वयं के हित की साधना में लग जाए तो आए थे हरिभजन को ओटन लगे कपास जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है। मेरा–तेरा का भाव छोटे मनों के कारण होता है। वे अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्, उदारचरितानाम् तु वसुधैव कुटुंबकम् की भावना को आहत करते हैं। उनके पास न्याय का अवसर आने पर वे अन्याय करते हैं। यही स्थिति राजस्थान में खेत को पानी के उद्घोष को धरातल पर उतारने में हो रही है। ऐसे जन प्रतिनिधि–मंत्रीगण संविधान की सौगंध को मिटाने पर तुले रहते हैं। इसी का परिणाम है कि 'पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना' के गणितीय वैज्ञानिक आधार पर तैयार मूल स्वरूप को बिगाड़ने पर उतारू हैं। स्वार्थ के अंधेपन के कारण एक दूसरे को पछाड़ने की होड़ लगी हुई है। जिस परियोजना को 3921 मिलियन घन मीटर पानी की उपलब्धता में से 3509.14 मिलियन घन मीटर के उपयोग के आधार पर तैयार किया गया था। उपयोग होने वाले पानी की मात्रा घटाकर 3405 मिलियन घन मीटर कर दी गयी। तदोपरांत भी परियोजना को विस्तारित कर दिया गया, जिससे पानी की आपूर्ति की समस्या उत्पन्न होगी।

इस दिशा में सम्मिलित 26 बांधों के अतिरिक्त पूर्व के बने हुए 15 अन्य बांधों को जोड़ दिया गया। जिसमें पेयजल के मंत्री ने चांदसेन को जुड़वा दिया। इनको देखकर राजस्थान के जल संसाधन मंत्री ने 200 मिलियन हेक्टर पानी के संग्रहण के लिए कृत्रिम बांध के नाम पर पुष्कर में तथा इसी होड़ में केन्द्रीय मंत्री ने 300 मिलियन घन मीटर के अलवर के सरिस्का की पहाड़ियों में कृत्रिम बांध की प्रस्तावना सम्मिलित करा दी। आश्चर्य तो यह है कि चाहत के अनुसार पुराने बांध अस्तित्व में नहीं होने पर भी नये बांध प्रस्तावित कर दिये गये। ऐसी स्थिति में राज्य के मुखिया भी क्यों पीछे रहते, उन्होंने भी परियोजना में सम्मिलित बंध बरेठा से आगे पानी ले जाने के लिए 'सुजान गंगा–भरतपुर लिंक' को जुड़वा दिया। इनके लिए बजट 2024–25 में घोषणा कर दी गई और उसी की अनुपालना में 18 फरवरी 2025 को टेंडर भी कर दिए गए। इसके अतिरिक्त विकास के नाम पर परियोजना के मार्ग में आने वाले 158 छोटे तालाबों की सूक्ष्म सिंचाई विकास परियोजना प्रस्तावित कर दी गई है। पानी की पर्याप्त सुनिश्चित उपलब्धता के परीक्षण के उपरांत इस प्रकार की योजनाए स्वागत योग्य होती है किन्तु पानी की उपलब्धता को घटाने के बाद भी जनप्रतिनिधियों द्वारा परियोजना के मूलस्वरूप को बिगाड़ाना उचित नही कहा जा सकता।

यह राजस्थान के प्रत्येक नागरिक की सदिच्छा है कि उसके 'खेत को पानी' मिले। इसमें कोई असहमत नहीं हो सकता। इसके लिए अधिकाधिक सिंचाई परियोजनाओं की आवश्यकता है। उनके लिए पानी की आवश्यकता 'सिंधु जल समझौते' को निरस्त कर भी पूर्ण की जा सकती है। पूर्व में हुए समझौतों की पालना से इसे संभव किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त प्रदेश के विस्तृत भूभाग के वर्षा जल का संग्रहण कर भी 'खेत को पानी' उपलब्ध कराया जा सकता है। इस कठिन कार्य को सरल बनाने के लिए ही जन प्रतिनिधियों, मंत्रियों एवं सरकारों की प्रासंगिकता है। केन्द्रीय मंत्री, राजस्थान सरकार के मुखिया एवं उनके सहयोगी मंत्रीगण से तो पानी प्राप्त करने के उपरांत परियोजनाएं बनाने की आशा एवं आकांक्षा जन सामान्य को रहती है। ये सभी इस कठिन कार्य से बचते हुए तैयार भोजन को ग्रहण करने में तत्परता ही नहीं दिखा रहे हैं बल्कि पानी प्राप्ति के एक से अधिक विकल्प होते हुए भी तैयार ढांचे के मूल स्वरूप को निजी स्वार्थ से प्रेरित होकर बिगाड़ रहे हैं। यह स्थितियां तो तब है जब समाज की सम्प्रद्धि के लिए सिंचाई परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए उनमे होने वाले अन्यायों को रोकते हुए 'खेत को पानी' देना शासन का है सर्वोपरि धर्म है।

परियोजना का नाम परिवर्तन राम जल सेतु का विरोध तो कोई नहीं करेगा किंतु पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना के नाम में यथार्थ का बोध होता था, वैसी स्थिति नए नाम में नहीं है। धरातल की वास्तविक स्थिति की समीक्षा कितनी सही है, इसका आकलन पाठकों पर ही छोड़ना अधिक युक्तिसंगत है।

–रामपाल जाट,
राष्ट्रीय अध्यक्ष, किसान महापंचायत

'शिक्षक की हमारे जीवन में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है'

■ पूर्वांचल जन चेतना समिति व यूनेस्को ने 74 शिक्षकों का सम्मान किया

भीलवाड़ा, (निसं)। शिक्षक दिवस के अवसर पर पूर्वांचल जन चेतना समिति व जिला यूनेस्को एसोसिएशन तथा मणी एजुकेशन सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में आजाद नगर स्थित पीएफसी गार्डन में आयोजित सम्मान समारोह में विभिन्न क्षेत्रों के 71 शिक्षक और शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी एवं कवि प्रहलाद पारीक ने की। वहीं मुख्य अतिथि के तौर पर जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) रामेश्वर बाल्दी थे। समारोह में अति विशिष्ट अतिथि के तौर पर स्टेट फेडरेशन ऑफ यूनेस्को एसोसिएशन इन राजस्थान के प्रदेश संयोजक गोपाल लाल माली, जिला यूनेस्को एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ललित अग्रवाल, पूर्व नगर परिषद चेयरमैन मंजू पोखरना, आजाद शर्मा, जवाहर फाउंडेशन के प्रभारी रजनीश वर्मा, मनी एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष विभोर त्रिवेदी मंच पर मौजूद थे। कार्यक्रम सयोजक रजनीश वर्मा ने बताया कि सम्मान समारोह में विभिन्न क्षेत्रों के 71 शिक्षक और शिक्षिकाओं को संस्थान की ओर से प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो देकर सम्मान किया गया। स्टेट फेडरेशन ऑफ यूनेस्को एसोसिएशन इन राजस्थान के प्रदेश संयोजक गोपाल लाल माली ने सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक ही हमारे जीवन के सबसे अहम गुरु होते हैं, जो हमें भविष्य में सही रास्ता दिखाने, मार्गदर्शन करने व जीवन में कुछ बड़ा करने के लिए हमेशा प्रेरित करते हैं। शिक्षक हमारे लिए किसी भगवान से काम नहीं होते हैं। शिक्षक की हमारे जीवन में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पूर्वांचल जन चेतना समिति के संस्थापक अध्यक्ष रजनीश वर्मा ने संस्था के बारे में जवाहर फाउंडेशन द्वारा सामाजिक सरोकार के तहत किया जा रहे हैं कार्यों के बारे में भी बताया साथ ही कहा कि पूर्वांचल जन चेतना समिति यूनेस्को के साथ मिलकर शिक्षा के क्षेत्र में नया आयाम स्थापित करेगी। समारोह में मणी एजुकेशन सोसायटी की सचिव अनुराधा झा के नेतृत्व में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। जिसमें कई बालिकाओं ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर जिला यूनेस्को एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष दिनेश जैन, सचिव जगदीशचंद्र मुंदड़ा, कोषाध्यक्ष विशाल विजयवर्गीय, संगठन मंत्री कमलेश जादू, मणी एजुकेशन सोसाइटी के ऋषि राज, मीडिया प्रभारी बृजेश शर्मा, वैभव जोशी, पूर्वांचल जन चेतना समिति के सदस्य कामेश्वर झा, आकाश झा, फुल झा, शिल्पी, चिराग टेलर, सहित सैकड़ों शिक्षक और शिक्षिकाये व संस्थाओं के सभी पदाधिकारी सदस्य भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन यूनेस्को की प्रवक्ता मधु लोढ़ा ने किया।

अनंत चतुर्दशी पर रणछोड़ मंदिर में अनुष्ठान

डूंगरपुर, (निसं)। अंनत चतुर्दशी के अवसर पर महिलाओं ने घर परिवार के सुख–समृद्धि की कामनाओं के साथ विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का दौर दिन भर चला। शनिवार प्रातः से रिमझिम व मूसलाधार बारिश के बीच बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्रों से जनजाति क्षेत्र की महिलाएं, बालिकाएं, युवक व पुरूष पूजा सामग्री लेकर फौज का बडला स्थित रणछोड़ मंदिर, सुथारवाडा स्थित विश्वकर्मा मंदिर सहित विभिन्न महादेव मंदिरों में पहुंचकर नारियल वधेरा तथा भगवान से सुख–समृद्धि की कामना की। इस दौरान अनंत चतुर्दशी का रक्षा सूत्र धारण किया। धर्म प्रेमियों ने उपवास भी रखा। प्रातः से ही फोज का बडला स्थित रणछोड़ राय मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी।

राशिफल रविवार 7 सितम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, रविवार, विक्रम संवत 2082, शतभिषा नक्षत्र रात्रि 9:14 तक, सुकर्मा योग प्रातः 9:22 तक, विष्टि करण प्रातः 6:12 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-सिंह, चन्द्रमा–कुम्भ, मंगल–कन्या, बुध–सिंह, गुरू–मिथुन, शुक्र–कर्क, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज भद्रा दिन 12:40 तक है। आज सत्य पूर्णिमा व्रत है। आज से सिंजा माता पूजन आरम्भ (कुमारियों का) होगा। आज गोत्रिमति व्रत समाप्त होगा। आज 24 कोस परिक्रमा और सन्यासियों का चातुर्मास पूर्ण होगा। आज पूर्णिमा और षोष्ठपदि श्राद्ध है। आज खग्रास चन्द्र ग्रहण है। ग्रहण आरम्भ रात्रि 9:57 पर होगा। खग्रास आरम्भ रात्रि 11:01 पर और ग्रहण मध्य रात्रि 11:42 पर होगा। ग्रहण सूतक दिन 12:57 से रात्रि 1:27 पर समाप्त होगा।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 7:46 से 9:19 तक, लाभ–अमृत 9:19 से 12:25 तक, शुभ 1:58 से 3:31 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:12, सूर्यास्त 6:37

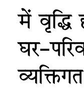

मेष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। व्यक्तिगत सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

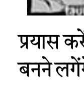

वृष
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

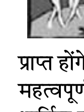

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कर्क
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में परेशानी हो सकती है। व्यक्तिगत परेशानियों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

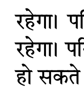

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

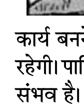

कन्या
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। पारिवारिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है।

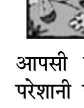

तुला
परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। आपसी ईर्ष्या–वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

वृश्चिक
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी।

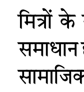

धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

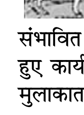

मकर
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा। आज अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

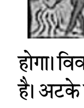

कुंभ
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

मीन
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 46 प्रभात बीकानेर, रविवार 7 सितम्बर, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रू.

यू.एन. की जनरल असैम्बली को प्रधानमंत्री मोदी स्वयम् सम्बोधित नहीं करेंगे

पहले उपलब्ध कराये गये प्रोग्राम के अनुसार, प्र.मंत्री को 26 सितम्बर को, जनरल असैम्बली को सम्बोधित करना था पर अब परिवर्तित प्रोग्राम के अनुसार, विदेश मंत्री एस. जयशंकर को नियुक्त किया गया है 21 सितम्बर को जनरल असैम्बली को सम्बोधित करने के लिये

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

- **सितम्बर माह की जनरल असैम्बली का सत्र सबसे व्यस्त व महत्वपूर्ण सैशन माना जाता है, तथा 23-29 का समय राष्ट्रध्यक्षों या उनके प्रतिनिधियों द्वारा सम्बोधित करने के लिये आरक्षित रहता है।**
- **सबसे पहले, परम्परागत तरीके के अनुसार, ब्राज़ील जनरल असैम्बली को सम्बोधित करता है, और फिर अमेरिका, राष्ट्रपति ट्रम्प पहले दिन अपना सम्बोधन प्रस्तुत करेंगे।**
- **26 सितम्बर को इज़रायल, चीन, पाकिस्तान व बंगलादेश के राष्ट्रध्यक्ष जनरल एसेम्बली को सम्बोधित करेंगे।**
- **पर, यह भी सच है, कि पूर्व घोषित कार्यक्रम में अंतिम समय तक तब्दीलियां संभव हैं, 23-29 सितम्बर के ''हाई लैवल'' सप्ताह से पहले।**

नई दिल्ली, 6 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस महीने के अंत में होने वाले संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा के वार्षिक उच्च स्तरीय सत्र की ''जनरल डिबेट'' को संबोधित नहीं करेंगे।

संयुक्त राष्ट्र महासभा का 80वां सत्र 9 सितंबर को शुरू होगा। उच्च स्तरीय जनरल डिबेट 23 से 29 सितंबर तक चलेगी। परंपरा के अनुसार, ब्राज़ील सत्र का पहला वक्ता होगा, जिसके बाद अमेरिका का नंबर होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप 23 सितंबर को प्रतिष्ठित महासभा के मंच से विश्व नेताओं को संबोधित करेंगे। यह उनके वाइट हाउस में दूसरे कार्यकाल के दौरान यू एन सत्र को दिया गया पहला भाषण होगा।

80वें सत्र की उच्च स्तरीय जनरल डिबेट के लिए शुक्रवार को जारी अंतरिम वक्ताओं की संस्थाओं सूची के अनुसार, भारत का प्रतिनिधित्व एक मंत्री करेंगे। विदेश मंत्री एस. जयशंकर 27 सितंबर को सत्र को संबोधित करेंगे।

जुलाई में जारी की गई पिछली अंतरिम वक्ताओं की सूची के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी 26 सितंबर को जनरल डिबेट को संबोधित करने वाले थे।

इज़राइल, चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के राष्ट्राध्यक्ष 26 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी इस वर्ष फरवरी में द्विपक्षीय बैठक के लिए अमेरिका गए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यमुना अभी भी खतरे के निशान से ऊपर

नयी दिल्ली, 06 सितंबर। दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर घट रहा है लेकिन निचले इलाकों में बाढ जैसी स्थिति बरकरार है क्योंकि जलस्तर अभी भी खतरे के निशान से ऊपर है।

- **हथिनी कुंड बैराज से छोड़े जाने वाले पानी में कमी आने से जलस्तर कुछ घटा है पर खतरा अभी बना हुआ है।**

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुराने रेलवे पुल का जलस्तर कई दिनों में पहली बार 207 मीटर से नीचे गिरकर 206.36 मीटर हो गया है जबकि खतरे का निशान 205.33 मीटर है।

हरियाणा के हथिनी कुंड बैराज से छोड़े जा रहे पानी की मात्रा में कमी आने के बाद दिल्ली में यमुना के जलस्तर में तेजी से गिरावट आ रही है। इसके चलते शनिवार सुबह यमुना का जलस्तर घटकर 207 मीटर से नीचे आ गया। केंद्रीय जल आयोग का अनुमान है कि जलस्तर में यह गिरावट आगे भी जारी रहेगी। शाम तक इसके जलस्तर में और गिरावट आने की संभावना है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कल लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और धैर्य बनाए रखने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि सरकार, प्रशासन, एनडीआरएफ, जनप्रतिनिधि, नागरिक संस्थाएं और सामाजिक संगठन मिलकर इस चुनौती से निपट रहे हैं तथा शीघ्र ही स्थिति पर पूर्ण नियंत्रण पा लिया जाएगा।

नायडू ने उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर भाजपा की चिंता बढ़ाई

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

- **सूत्रों के अनुसार, नायडू को इस सप्ताह प्रधानमंत्री के साथ चुनाव पर चर्चा के लिए दिल्ली आना था, पर नायडू ने अंतिम समय में आना कैंसल कर दिया और अपनी जगह अपने बेटे नारा लोकेश को भेज दिया।**
- **सूत्रों ने बताया, कि नायडू के रुख को लेकर भाजपा में बेचैनी निरन्तर बढ़ रही है क्योंकि इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी, रिटायर्ड जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी चन्द्रबाबू के बेहद करीबी हैं। सूत्रों ने बताया कि तेलुगूदेशम के कार्यकर्ताओं व नेताओं में भी एक बड़ा तबका रेड्डी के पक्ष में है।**
- **नायडू व रेड्डी के निजी संबंधों का फायदा उठाने की कांग्रेस पूरी कोशिश कर रही है। पर भाजपा के रणनीतिकार, मोदी और शाह, कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।**

नई दिल्ली, 6 सितम्बर। उपराष्ट्रपति चुनाव, जो 9 सितंबर को होने वाला है, की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है और इस बीच हालात में अचानक आए मोड़ ने सत्ताधारी भाजपा के आत्मविश्वास को हिला दिया है।

सूत्रों के मुताबिक, नायडू से इस हफ्ते दिल्ली आकर चुनाव योजना पर अंतिम दौर की बातचीत करने को कहा गया था। लेकिन चौंकाने वाले ढंग से, इस अनुभवी नेता ने खुद आने के बजाय, अपने बेटे नरा लोकेश को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने भेज दिया और अंतिम क्षण में अपना दौरा रद्द कर दिया।

टीडीपी के अंदरूनी सूत्र मानते हैं कि पार्टी में मतभेद हैं। दिक्कत इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि विपक्ष के उम्मीदवार, सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट जज बी. सुदर्शन रेड्डी, न सिर्फ एक जाने माने तेलुगु व्यक्तित्व हैं बल्कि लंबे समय से नायडू के सहयोगी और शुभचिंतक भी रहे हैं।

भाजपा के लिए यह व्यक्तिगत समीकरण बड़ी चुनौती बन गया है। बताया जा रहा है कि कई कांग्रेस नेता नायडू के संपर्क में हैं और उन्हें एनडीए के प्रति अपनी प्रतिबद्धता कम करने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसी बीच, विपक्षी खेमे में जस्टिस रेड्डी की उम्मीदवारी को लेकर अभूतपूर्व एकजुटता की खबरें भी सत्तारूढ़ खेमे की बेचैनी और बढ़ा रही हैं।

भाजपा के शीर्ष रणनीतिकार, जिनमें मोदी और शाह शामिल हैं, कोई जोखिम नहीं लेना चाहते। हर भाजपा सांसद को कड़ाई से निर्देश दिया गया है कि वे चुनाव की पूर्व संध्या पर 8 सितंबर को प्रधानमंत्री की ओर से आयोजित रात्रिभोज में अवश्य शामिल हों। इस डिनर को एकता का प्रदर्शन और मतदान से पहले आखिरी क्षणों की रणनीतिक कोशिश माना जा रहा है, ताकि मतदान के दौरान किसी तरह की असहमति या गैरहाज़िरी न हो।

राजस्थान विकास परियोजनाओं के लिए पीएनबी से 21 हज़ार करोड़ का ऋण लेगा

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि इससे ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे, जयपुर मेट्रो विस्तार, अक्षय उर्जा परियोजनाओं को गति मिलेगी

- **मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पीएनबी अधिकारियों से आग्रह किया कि बैंक राज्य की एमएसएमई इकाइयों को और अधिक सहयोग दे।**

जयपुर, 6 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राजस्थान सरकार और पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के बीच शनिवार को एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू के तहत राज्य की आधारभूत विकास परियोजनाओं के लिए आगामी पांच वर्षों में पीएनबी द्वारा 21 हजार करोड़ रुपये का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के संकल्प के अनुरूप राजस्थान को विकसित राज्य बनाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे, जयपुर मेट्रो विस्तार, अक्षय ऊर्जा एवं अन्य आधारभूत परियोजनाएं प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देंगी। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 तक प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डॉलर तक पहुंचाना है, जिसके लिए पूंजीगत निवेश को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि वित्तीय संसाधन किसी भी विकास यात्रा की रीढ़ होते हैं। उन्होंने बैंक की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि पंजाब नेशनल बैंक राज्य के विकास में एक मजबूत भागीदार बनकर उभरा है। यह साझेदारी विकास और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित करेगी। उन्होंने बैंक से राज्य की एमएसएमई इकाइयों को और अधिक सहयोग देने का आग्रह भी किया। इस एमओयू के तहत ऊर्जा, सड़क, पेयजल, स्वच्छता एवं अन्य बुनियादी ढ ांचे से जुड़ी परियोजनाओं को वित्तीय मदद मिलेगी, जिससे इन कार्यों को गति मिलेगी और आमजन तक इनका लाभ शीघ्र पहुंचेगा।

कार्यक्रम में शासन सचिव, वित्त

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी राष्ट्रपति मुर्मू से मिले

नयी दिल्ली 06 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की।

- **मोदी ने उन्हें जापान और चीन यात्राओं के बारे में अवगत कराया।**

मोदी की राष्ट्रपति के साथ यह मुलाकात जापान और चीन की चार दिन की यात्रा से लौटने के बाद हुई है। समझा जाता है कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति को अपनी इन महत्वपूर्ण यात्राओं के दौरान इन देशों के नेताओं के साथ हुई बातचीत से अवगत कराया। मोदी ने चीन में शंघाई सहयोग संगठन की शिखर बैठक में भी भाग लिया था और वहां मोदी ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन तथा अन्य वैश्विक नेताओं से भी मुलाकात की थी। राष्ट्रपति भवन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इस मुलाकात की जानकारी देते हुए एक फोटो साझा किया है।

सांवलिया सेठ में पूजा अर्चना करके, जन्म दिन की शुरुआत करेंगे पायलट

आस्था के साथ, राजनीतिक कारण भी है मेवाड़ के चयन का, मेवाड़ में कांग्रेस का प्रदर्शन सबसे कमजोर था, गत विधानसभा चुनाव में

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **वैसे भी आज कल मेवाड़ के नेता सी.पी. जोशी, कांग्रेस में ए.आई.सी.सी. में, बहुत सक्रिय हैं, महासचिव के.सी. वेणुगोपाल की मदद से राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष का पद पाने के लिये।**
- **ए.आई.सी.सी. के नेतागण यह ही चाहते हैं कि राज्यों के नेता आपसी लड़ाई में उलझे रहें, जिससे दिल्ली के नेताओं का महत्व व चौधराहट बनी रहे।**
- **पायलट इस मौके पर मेवाड़ के स्थानीय नेताओं से मिलेंगे, तथा कांग्रेस के मंच पर लाने का प्रयास करेंगे, विशेषकर आदिवासी बैल्ट के लोगों को, जो अब तक उपेक्षित सा महसूस कर रहे थे, सी.पी. जोशी के नेतृत्व वाले मेवाड़ में कांग्रेस के संगठन में और इस कारण से यहाँ पार्टी लगातार कमज़ोर हो रही थी।**

नई दिल्ली, 6 सितम्बर। सचिन पायलट कल अपना जन्मदिन मेवाड़ में मनाने जा रहे हैं, जहां कांग्रेस पार्टी राजस्थान के बाकी हिस्सों की तुलना में बेहद कमजोर है।

यह संयोग ही है कि यह वरिष्ठ कांग्रेस नेता सी. पी. जोशी का गढ़ और उनकी कर्मभूमि है, जो प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनने के लिए हरसंभव कोशिश कर रहे हैं।

पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का सबसे खराब प्रदर्शन मेवाड़ से ही रहा था।

सचिन पायलट सुबह 8 बजे डबोक एयरपोर्ट पहुंचेंगे और वहां से सीधे सड़क मार्ग से चित्तौड़गढ़ जिले में मंडफिया स्थित श्री सांवलिया सेठ के मंदिर (कृष्ण धाम) जाएंगे।

वे अपने दिन की शुरुआत इस विश्व प्रसिद्ध मंदिर में पूजा-अर्चना करके और आशीर्वाद लेकर करेंगे।

इसके बाद वे आसपास के क्षेत्रों से आए कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मिलेंगे और उन्हें एक मंच पर लाने की कोशिश करेंगे। पार्टी नेताओं का कहना है कि यह इलाका मुख्य रूप से आदिवासी बहुल है लेकिन सी. पी. जोशी इस क्षेत्र के आदिवासी नेताओं की लगातार अनदेखी और उपेक्षा करते रहे हैं, जिससे भारी नाराज़गी पैदा हुई है।

सचिन पायलट का जन्मदिन पर यह दौरा इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि जोशी के. सी. वेणुगोपाल का सहारा लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि राज्य के नेताओं और कार्यकर्ताओं की मांग है कि प्रदेश की कमान पायलट को दी जाए, जो समय-समय पर राज्यभर के दौरों में अच्छी पकड़ और समर्थन जुटाते रहे हैं।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि दिलचस्प बात यह है कि राहुल गांधी के करीबी वरिष्ठ नेता आपसी टकराव और असंतोष भड़का रहे हैं ताकि अपनी अहमियत बनाए रख सकें और इससे पार्टी को नुकसान हो रहा है।

अंदरखाने की खबर है कि ये नेता चाहते हैं कि हर नेता उनके निर्देशों का पालन करे तथा उनके अनुरुप चले और इससे पार्टी कमज़ोर हो रही है।

लाल किले से एक करोड़ रु. का रत्न जड़ित स्वर्ण कलश चोरी

नयी दिल्ली, 06 सितंबर। राष्ट्रीय राजधानी के ऐतिहासिक लाल किले से करीब एक करोड़ रुपये मूल्य का स्वर्ण कलश चोरी हो गया जो जतनो से सजा था, यह कलश एक जैन धार्मिक अनुष्ठान के दौरान गायब हुआ जिससे आयोजन स्थल पर अफरा-तफरी मच गई और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

जानकारी के मुताबिक चोरी हुआ कलश लगभग 760 ग्राम शुद्ध सोने से बना था और उसमें करीब 150 ग्राम हीरे, माणिक्य और पन्ना जड़े हुए थे। यह धार्मिक कार्यक्रम 28 अगस्त से 09 सितंबर तक चला था, जहां केवल धोती-कुर्ता पहने और अनुमति प्राप्त श्रद्धालुओं को ही प्रवेश दिया जा रहा था।

- **कलश जैन धार्मिक अनुष्ठान से गायब हुआ है, 760 ग्राम सोने से बने इस कलश पर 150 ग्राम हीरे, पन्ना व माणक जड़े हुए थे।**

घटना दो सितंबर को उस समय हुई जब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। अचानक भीड़ और हलचल के बीच कलश मंच से गायब हो गया।

पीड़ित सुधीर जैन ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि एफआईआर दर्ज करके तुरंत जांच शुरू कर दी गई है। जांच में घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज में एक संदिग्ध दिखाई दिया, जो कई दिनों से धोती-कुर्ता पहनकर श्रद्धालुओं के बीच घूम रहा था और मौका पाकर मंच तक पहुंच गया।

फुटेज में आरोपी एक थैले में कलश रखकर बाहर जाता दिख रहा है। अधिकारी ने दावा किया है आरोपी की पहचान हो गई है और तलाश जारी है।

'तू मुझसे ख़फा है तो ज़माने के लिए आ---'

ट्रंप ने प्र.मंत्री मोदी को याद दिलाई दोस्ती, मोदी ने भी दिया दोस्ताना जवाब

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **भारत को चीन के निकट जाता देख अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की बेचैनी इस कदर बढ़ गई कि उन्होंने मोदी को पुनः अपने करीब लाने की कोशिशें शुरु कर दी हैं।**
- **ट्रंप ने मोदी की जोरदार तारीफ की और कहा, मैं हमेशा मोदी का दोस्त रहूँगा, वे बहुत शानदार व्यक्ति हैं।**
- **मोदी ने ट्रंप की इस पोस्ट को एक्स पर शेयर किया और कहा, राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं की सराहना करता हूँ और उनके प्रति मेरी भी ऐसी ही भावनाएं हैं।**
- **हालांकि ट्रंप ने दोस्ताना लहजे में शिकायत भी की, कि मोदी की रुस व चीन से निकटता उन्हें पसंद नहीं है।**
- **इस घटनाक्रम को दोनों देशों के बीच बेहतर संबंधों की वापसी का संकेत माना जा रहा है।**

नई दिल्ली, 6 सितंबर। ट्रंप, जिन्होंने शुक्रवार को अपने ''ट्रुथ सोशल'' प्लेटफॉर्म पर लिखा था कि लगता है भारत ''गहरे, अंधेरे चीन'' की ओर चला गया है, ने पहला कदम उठाया।

शुक्रवार को वॉशिंगटन स्थित ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा कि ''भारत और अमेरिका में विशेष रिश्ता है।'' साथ ही उन्होंने मतभेद की चिंताओं को नज़रअंदाज़ किया।

उन्होंने कहा, ''चिंता की कोई बात नहीं है। कभी-कभी ऐसे पल आते हैं।'' उन्होंने मुस्कुराते हुए यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के साथ उनका व्यक्तिगत संबंध बरकरार है।

एक प्रश्न के जवाब में ट्रंप ने कहा, ''मैं हमेशा मोदी का दोस्त रहूंगा, वे महान प्रधानमंत्री हैं। वे शानदार हैं। मैं हमेशा दोस्त रहूंगा, लेकिन अभी जो वे कर रहे हैं, वह मुझे पसंद नहीं है।''

उक्त वीडियो क्लिप के सार्वजनिक होने के कुछ ही मिनटों बाद मोदी ने इसे अपने एक्स (ट्विटर) अकाउन्ट पर उद्धृत किया।

तथापि, ट्रंप ने भारत के रूस से तेल खरीदने के फैसले पर अपनी नाराज़गी दोहराई। उन्होंने कहा, ''मुझे बहुत निराशा हुई कि भारत इतना अधिक तेल रूस से खरीद रहा है और मैंने उन्हें यह बता दिया है। हमने भारत पर बहुत बड़ा शुल्क लगाया, 50 प्रतिशत शुल्क, बहुत ऊंचा शुल्क।''

मोदी की पोस्ट जिस समय पर आई, उसे यह संकेत देने के प्रयास के रुप में देखा गया कि हाल के हफ्तों की सार्वजनिक बयानबाजी उनके रिश्तों को परिभाषित नहीं करेगी।

यह गर्मजोशी भरे संदेशों का आदान-प्रदान उस बयान से बिल्कुल विपरीत था, जो एक दिन पहले अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने दिया था।

बोल्टन ने ब्रिटिश चैनल ''एलबीसी'' को बताया कि ट्रंप का मोदी के साथ ''बहुत अच्छा व्यक्तिगत रिश्ता,'' अब वो बफर नहीं है, जैसा पहले था। उन्होंने कहा, ''वह अब खत्म हो चुका है।''

उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि ट्रंप अंतरराष्ट्रीय रिश्तों को नेताओं के साथ अपने व्यक्तिगत रिश्तों के चश्मे से देखते हैं। अगर उनका व्लादिमीर पुतिन से अच्छा रिश्ता है तो अमेरिका और रूस के रिश्ते भी अच्छे हैं। लेकिन हकीकत में ऐसा नहीं होता।''

उनके अनुसार, भारत को रूसी तेल खरीदने के लिए दंडित करने का फैसला एक ''अनावश्यक गलती'' थी, जिसने अमेरिका के दोनों दलों की उस कोशिश को कमजोर कर दिया, जिसका उद्देश्य नई दिल्ली को वॉशिंगटन के करीब लाना था और शीतयुद्ध के समय मॉस्को से भारत का जो जुड़ाव था, उसे खत्म करना था। उन्होंने कहा, ''यह पलटा जा सकता है, लेकिन यह बेहद खराब समय है।''

ऐसी आलोचनाओं के बावजूद, अब ट्रंप और मोदी दोनों ही तनाव कम करने के इच्छुक दिखाई दे रहे हैं।

गुजरात पावागढ़ शक्ति पीठ का गुड्स रोप वे टूटा, 6 की मौत

अहमदाबादे, 06 सितम्बर। गुजरात के पंचमहाल जिले के पावागढ़ के महाकाली मंदिर शक्तिपीठ में शनिवार को गुड्स रोपवे का सामान ले जाने वाले रोपवे के टूटने से 6 लोगों की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

- **हादसे में मरने वालों में 2 लिफ्ट ऑपरेटर, दो मजदूर व दो अन्य लोग हैं तथा कई अन्य घायल हो गए हैं।**

जानकारी के मुताबिक, रोपवे का तार टूट और ट्रॉली ऊंचाई से नीचे जमीन पर गिर गई। हादसे में कई लोगों के घायल होने की खबर भी है। वहीं, मृतकों में 2 लिफ्ट ऑपरेटर, 2 मजदूर और अन्य दो लोग शामिल हैं। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है।

पावागढ़ में इससे पहले 25 अगस्त 2023 को भी बड़ा हादसा होते रह गया था, उस समय महाकाली मंदिर तक जाने वाली रोपवे की पिलर नंबर 4 की केबल बीच में ही टूट गई थी, जिससे 10 से ज्यादा यात्री हवा में बोगियों में फंस गए थे। हालांकि गनीमत रही कि सभी लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया और कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ।

जवाई बांध के एक साथ आठ गेट खोले, जालोर में बाढ़ की आशंका

कुल 13 गेट वाले जवाई बांध में पानी की आवक लगातार होने से और गेट खोले जा सकते हैं

पश्चिमी राजस्थान के सबसे बड़े जवाई बांध में पानी की आवक लगातार जारी रहने से बांध के आठ गेट खोले गये।

जालोर/सुमेरपुर, (निसं)। पश्चिमी राजस्थान में मानसून की सक्रियता के चलते शनिवार को मूसलाधार बारिश का दौर जारी रहने से नदी, नाले व बांधों में पानी की आवक तेज गति से देखी गई। पश्चिमी राजस्थान के सबसे बड़े बांध जवाई में पानी की आवक लगातार जारी रहने से बांध ओवरफ्लो हो गया, जिसके चलते जवाई बांध के आठ गेट खोले गये। ऐसे में एक साथ नौ गेट बांध के खोलने से जालोर में हालात बाढ़ के बन सकते हैं।

- **मूसलाधार बारिश से बांकली बांध, वणधर व बांडी सिणधरा सहित कई बांधों में पानी आने से बांध ओवरफ्लो की कगार पर**

मौसम विभाग के अलर्ट के बाद शनिवार को दिनभर बारिश का दौर जारी रहा, जिसके चलते जालोर की जवाई नदी, सुकड़ी नदी, आकोली नदी में पानी की आवक तेज गति से देखी गई। वहीं जिले के बांकली बांध, वणधर व बांडी सिणधरा सहित कई बांधों में पानी आने से बांध ओवरफ्लो की कगार पर है। वहीं भेटाला, नबी, हरजी सहित कई नालों में पानी आने से गांवों का सम्पर्क कट गया। जालोर में दिनभर कभी तेज तो कभी मूसलाधार बारिश होने से जगह-जगह पानी भर गया।

वहीं शहर निचली कॉलोनियों में निकासी नहीं होने से पानी भर जाने कॉलोनियों जलमग्न हो गई। वहीं जवाई बांध ओवरफ्लो होने से आनन-फानन में आठ गेट खोले, जिससे जवाई नदी के आसपास रहने वालों को बाढ़ के हालात से सामना करना पड़ सकता है। शनिवार को महज चार घंटों के भीतर जवाई बांध के एक बाद एक आठ गेट खोले गये। कुल 13 गेट वाले जवाई बांध के दोनों किनारे वाले 1-1 गेट तकनीकी कारणों से कभी नहीं खोले जाते हैं, जबकि इस बार शेष 11 गेट में से 8 गेट बड़े स्तर पर खोले गये हैं। जवाई बांध के गेट नंबर गेट 2, 3, 4, 5, 6, 8, 9 व 10 को 6-6 फिट खोला गया है। जवाई बांध में पानी की आवक लगातार होने से और गेट खोले जा सकते हैं। ऐसे में एक साथ आठ गेट बांध के खोलने से जालोर में हालात बाढ़ के बन सकते हैं।

जालोर के जनप्रतिनिधियों की विफलता से जवाईबांध के गेट पहले नहीं खोले, हमेशा की तरह इस बार बाढ़ के हालात का सामना करना पड़ सकता है। लगातार बारिश के बाद जवाई बांध में पानी आवक होने से जालोर की जनता ने 55 फीट पर ही पानी छोडने की मांग की, लेकिन पानी नहीं छोड़ा, आखिर बांध ओवरफ्लो होने पर पानी छोड़ने से जालोर को बाढ़ की स्थिति में धकेल दिया।

आऊवा की लीलकी नदी उफान पर, ग्रामीणों में खुशी

आऊवा गांव में हर ओर हरियाली और पानी ही पानी नजर आ रहा है

गांव आऊवा की प्रमुख लीलकी नदी वर्षों बाद तीव्र वेग से बहती नजर आ रही है।

पाली, (निसं)। जिले के ऐतिहासिक गांव आऊवा में इस वर्ष मानसून ने एक बार फिर से अपने पूरे प्रभाव के साथ दस्तक दी है। लगातार हो रही अच्छी बारिश के चलते गांव की प्रमुख लीलकी नदी वर्षों बाद तीव्र वेग से बहती नजर आ रही है, जिससे ग्रामीणों में उत्साह और आनंद का माहौल है। अरावली की तलहटी में बसे इस सुरम्य गांव में हर ओर हरियाली और पानी ही पानी नजर आ रहा है।

ग्रामीण जमाल बाबू सिपाही ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बार मानसून की बारिश से कुंडल सरोवर पूरी तरह से लबालब हो गया है। वहीं लीलकी नदी का जलस्तर भी खासी ऊंचाई पर पहुंच गया है। यह स्थिति वर्षों बाद देखी जा रही है। लीलकी नदी के उफान से न सिर्फ गांव का प्राकृतिक सौंदर्य निखर उठा है, बल्कि इसके बहाव से आसपास के कुओं और जल स्त्रोतों का जलस्तर भी बढ़ने की पूरी संभावना है, जो क्षेत्र के किसान भाइयों के लिए वरदान साबित होगा।

नदी की यह भव्य स्थिति देखने के लिए आसपास के गांवों से भी लोग बड़ी संख्या में आ रहे हैं, जिससे यह स्थान एक प्राकृतिक दर्शनीय स्थल बन गया है। आऊवा ग्राम तीन ओर से जल स्त्रोतों से घिरा हुआ है। सूकड़ी और लीलकी नदियां दो ओर हैं, जबकि तीसरी ओर बड़ा तालाब स्थित है, जो अब पूरी तरह से भर चुका है। गांववासियों की मानें तो ऐसा अद्भुत नजारा कई वर्षों के बाद देखने को मिला है, जिससे क्षेत्र में एक नई ऊर्जा और आशा का संचार हुआ है।

गांधी सागर डेम से पानी की निकासी शुरु की, चंबल में उफान से अलर्ट

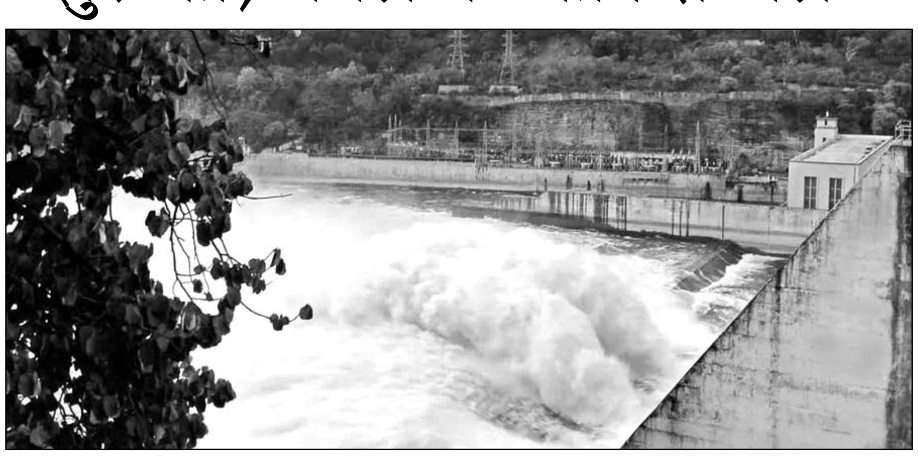
गांधी सागर डेम में लगातार पानी की आवक बनी हुई है।

कोटा, (निसं)। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में स्थित चंबल नदी के सबसे बड़े बांध गांधी सागर डेम में लगातार पानी की आवक बनी हुई है। डेम का जलस्तर 1308.07 फीट तक पहुंच गया है। इसी वजह से लेवल मेंटेन करने के लिए गेट खोलकर पानी की निकासी शुरू कर दी गई है। इसके चलते राजस्थान के चित्तौड़गढ़ , कोटा और धौलपुर तक चंबल नदी में तेज बहाव रहेगा। इसको देखते हुए कोटा जिला प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है और निचली बस्तियों में एहतियातन कदम उठाए जा रहे हैं।

- **चित्तौड़गढ़, कोटा और धौलपुर तक चंबल नदी में तेज बहाव रहेगा, कोटा प्रशासन ने अलर्ट जारी किया**

जल संसाधन विभाग के कंट्रोल रूम प्रभारी और सहायक अभियंता नीतिका पारेता ने बताया कि शनिवार दोपहर 3 बजे गेट खोलकर 57339 क्यूसेक पानी की निकासी शुरू की गई है। गांधी सागर डेम की भराव क्षमता 1312 फीट है जिसमें कुल 7164.94 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी आ सकता है। फिलहाल डेम में 6449.32 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी पहुंच चुका है। वर्तमान में 1.65 लाख क्यूसेक पानी की आवक हो रही है इसलिए गेज 1308 फीट पर ही गेट खोल दिए गए हैं। चित्तौड़गढ़ के रावतभाटा में स्थित राणा प्रताप सागर बांध से करीब 66 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। वहीं, बूंदी जिले के जवाहर सागर बांध से भी गेट और मशीन के जरिए पानी डिस्चार्ज हो रहा है। नीतिका पारेता ने बताया कि पानी कोटा बेराज पहुंचने के बाद कोटा बैराज से पानी छोड़ा गया। पानी की स्थिति को देखते हुए चंबल की नयापुरा छोटी पुलिया पर यातायात को बंद कर दिया गया है। साथ ही बहाव क्षेत्र से लोगों को दूर रहने की मुनादी करवाई गई है।

आयड़ नदी के बीच फंसे युवक को बचाया

उदयपुर, (कासं)। भारी बारिश के चलते उफान पर आई आयड़ नदी के बीच फंसे युवक को सात घंटों की मशक्कत के बाद आखिरकार सुरक्षित बचाने में सफलता मिली।

जानकारी के अनुसार हिरण मगरी क्षेत्र में एफसीआई गोदाम के समीप आयड़ नदी के बीच एक युवक फंस गया। इस बीच नदी का बहाव तेज हो गया, जिससे वह युवक बाहर नहीं आ सका। खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर जिला कलेक्टर के निर्देश पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर दीपेंद्रसिंह राठौड़ मौके पर पहुंचे। प्रशासन, पुलिस, सिविल डिफेन्स की टीमें भी मौके पर पहुंची तथा बचाव कार्य शुरू किए। नदी का बहाव बहुत तेज होने से सफलता नहीं मिली। इस पर मीडियाकर्मी ताराचंद गवारिया और ड्रोन पर्सन कुलदीप परमार की मदद ली गई। उन्होंने ड्रोन की सहायता से पतली रस्सी नदी के बीच फंसे युवक तक पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन दो बार असफल रहे। तीसरी बार में रस्सी युवक तक पहुंच गई। इस रस्सी की मदद से युवक तक लाइफ जैकेट और ट्यूब पहुंचाई गई। इस बीच जिला कलेक्टर नमित मेहता, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा भी मौके पर पहुंचे। रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए सेना की भी मदद ली गई। आर्मी के ड्रोन से मोटी रस्सी युवक तक पहुंचाई गई। इसके बाद लाइफ जैकेट व ट्यूब के सहारे युवक को रस्सी से खींचकर बाहर निकाला जा सका।

घग्घर नदी में 5747 क्यूसेक तक पहुंचा पानी का स्तर

अनूपगढ़, (निसं)। घग्घर नदी में शनिवार को पानी की मात्रा बढ़ कर 5747 क्यूसेक तक पहुंच गई है। पिछले कुछ दिनों से नदी में 5 हजार क्यूसेक पानी चल रहा था। दो दिनों में करीब 750 क्यूसेक पानी की वृद्धि हुई है।

पानी भारत-पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय मजनू पोस्ट तक पहुंच चुका है। एसडीएम सुरेश राव ने बॉर्डर क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने हल्का पटवारी सहित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अलर्ट मोड पर रखा है। एसडीएम ने बताया कि सबसे अधिक नुकसान की आशंका गांव 28 ए और पुराना बिजोर में है। गांव 28 ए में लगभग 50 घर हैं। पुराना बिजोर में 100 से अधिक घरों की आबादी है। पुराना बिजोर निचले इलाके में होने के कारण यहां खतरा ज्यादा है।

डूंगरपुर के निठाऊवा में साढ़े तीन इंच बारिश

डूंगरपुर शहर सहित गांवों में बरसात से नदी-नाले उफान पर रहे।

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर शहर सहित गांवों में शुक्रवार रात से जारी बारिश का दौर शनिवार को भी दिन भर चलता रहा और भाद्रपक्ष की समाप्ति के पूर्व ही मेघों ने ऐसा मलहार गाया कि नदी, नाले, अपनी भराव क्षमता को पार करके छलक उठे जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में कस्बो में कई वर्षो से खाली पड़े तालाब व बांध ओवरफ्लो हो गये। शनिवार को अल सुबह से जारी बारिश के कारण पक्के व कच्चें घरों की छतें भी टपकने लगी जिसके कारण सामान्य जन जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया। इधर खुमानसागर, बिलडी, कुशालमगरी से कुछ रास्ते खुलने के कारण पानी की आवक धड़ल्ले से हो रही है, जिसके कारण गेपसागर जलाशय का उखड़ा हुआ पैदा अब पूरी तरह पानी की चादर से ढक गया है और गेपसागर जलाशय की सीढ़ियों पर भी पानी आने लग गया है।

शनिवार प्रातः से ही जिलेभर में मूसलाधार व रूक-रूक कर हो रही बरसात के कारण सड़कों पर दरिया की तरह पानी बहने लगा। शहर के कई कॉलोनियों में जलभराव की स्थिति हो गई, जिससे लोगों को परेशानी हुई। वहीं बारिश के बाद से डूंगरपुर के बांध, तालाब उफान पर बह रहे हैं। वहीं सोम कमला आंबा बांध से भी पानी की निकासी हो रही है। बेणेश्वर धाम पिछले 10 दिन से ज्यादा वक्त से टापू बना हुआ है। निठाऊवा में सबसे ज्यादा 82 एमएम बरसात हुई है। डूंगरपुर में शनिवार सुबह 8 बजे तक पिछले 24 घंटों में डेढ इंच बरसात हुई। निठाउवा में साढे 3 इंच, 82 एमएम, सोम कमला आंबा बांध क्षेत्र में 40 एमएम, धम्बोला में 42 एमएम, सागवाडा में 27 एमएम डूंगरपुर में 38 एमएम, आसपुर में 50 एमएम, चिखली में 21 एमएम, गलियाकोट में 41 एमएम, देवल में 32 एमएम, गणेशपुर में 9 एमएम, कनबा में 14 एमएम, साबला में 22 एमएम, वेंजा में 42 एमएम बारिश हुई।

इधर तेज बारिश के बीच डूंगरपुर से धम्बोला क्षेत्र के खांडिया किशनपुरा पुलिये पर बीओबी के बैंक मैनेजर बैंक जल्दी जाने की होड में पुल पर पानी बहने के बावजूद अपनी कार को लेकर सुरक्षित निकलने की जुग्गत में फंस गया कार तेज पानी के बहाव के साथ बहने लगी, लेकिन सड़क किनारे बने सेफ्टी पिल्लर ने बैंक मैनेजर की कार को रोक लिया। इधर किनारे पर खड़े लोगों ने तत्काल ट्रेक्टर लेकर पहुंचे और बैक मैनेजर तथा उसकी कार को सुरक्षित किनारे पर पहुंचाया।

सड़कों पर कटाव से दूदू-मालपुरा मेगा हाइवे पर वाहनों की आवाजाही छह दिन से बाधित

मकानों व दुकानों में पानी भर जाने से दीवारों में दरारें पड़ने लगी

दूदू, (निसं)। उपखंड के अधीन गांवों में लगातार हो रही बरसात के कारण जनजीवन अस्त- व्यस्त हो रहा है। गांवों में आने-जाने के रास्ते अवरूद्ध हो जाने पर भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

- **बरसात के कारण गांवों में आने-जाने के रास्ते अवरूद्ध हो जाने पर भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।**

मकानों व दुकानों में पानी भर जाने से दीवारों में दरारें पड़ने लगी है। दूदू मुख्यालय पर वार्ड 14 में फारुख नागोरी व वार्ड नंबर 9 में राजू का मकान गिर जाने से नुकसान हो गया इस दौरान घर में कोई नहीं था इससे जनहानि नहीं हुई। क्षेत्र में तेज बहाव व सड़कों पर कटाव के कारण दूदू-मालपुरा मेगा हाइवे पर करीब छह दिन से वाहनों की आवाजाही बाधित हो रही है। वहीं ममाणा क्षेत्र के भूतिया बांध की पाल टूट जाने पर नरेना-रूपनगढ़ हाइवे पर पानी भर जाने से आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौके पर उपखंड अधिकारी रमेश कुमार तहसीलदार मदन परमार ने पहुंचकर मिट्टी के कट्टे डलवाकर पानी को रोकने का प्रयास किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने सेवा गांव में जल भराव वाले क्षेत्र का जायजा लेकर प्रशासनिक अधिकारियों को पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद करने के निर्देश दिए तथा पीड़ित परिवारों को राशन के किट वितरण किए। इस दौरान उपखंड अधिकारी बलवीर सिंह तहसीलदार सुरेंद्र विश्नोई एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे। क्षेत्रीय किसानों ने बैरवा को ज्ञापन पेश कर बरसात से खराब फसलों का सर्वे कराया जाकर मुआवजे की मांग की है।

बांसवाड़ा में वर्षा का दौर जारी

बांसवाड़ा, (निसं)। जिले में वर्षा का दौर जारी है कभी रूक-रूक कर तो कभी तेज वर्षा हुई।

जानकारी के अनुसार जिले में सर्वाधिक वर्षा घाटोल के भूंगड़ा केन्द्र पर 15 मिमी. दर्ज की गयी। आंबापुरा व लोहारिया में सात-सात मिमी, बांसवाड़ा में 6, छोटी सरवन में 5, घाटोल में 2, गनोड़ा में 4, गढ़ी में 22 मिमी., अरथूना 5, आनंदपुरी 1, गांगड़तलाई 10, कुशलगढ़ 3 एवं सज्जनगढ़ में 10 मिमी. वर्षा दर्ज की गयी। संभाग के सबसे बड़े माही बांध के 6 गेट डेढ़-डेढ़ मीटर खुले हैं।

भीलवाड़ा जिले में बरसात से बिगड़े हालात, मेजा बांध का गेज 23 फीट पहुंचा

भीलवाड़ा शहर में साढ़े चार, खारी बांध पर सवा पांच, कोठारी बांध पर छह, बनेड़ा में सवा छह इंच बरसात हुई

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा जिले के मांडल क्षेत्र में बारिश का कहर शुक्रवार रात से जारी है। अभी तक मांडल में 107 एमएम (सवा चार इंच) बारिश हो चुकी है। रातभर चली बारिश ने सभी के हाल बेहाल कर दिये। मानसून की औसत बारिश 601 एम एम होती है, इसके बजाय इस बार 813 एम एम बारिश हो चुकी है यानी अभी तक 360 एम एम अधिक बारिश हो चुकी है। पिछली रात को ज्यादातर जगहों पर ढाई से साढ़े चार इंच बारिश हुई है। अकेले भीलवाड़ा शहर में ही साढ़े चार इंच बारिश हो गयी। इसके अलावा खारी बांध पर 132 एम एम (सवा पांच इंच), कोठारी बांध पर 154 एम एम (छह इंच), बनेड़ा में 156 एम एम (सवा छह इंच), कोटड़ी में 122 (करीब सवा पांच इंच), मांडल में 107 एमएम (सवा चार इंच) बारिश हुई है। मौसम विभाग के अनुसार अभी भारी बारिश की स्थिति बनी हुई है। इसको लेकर अलर्ट भी जारी कर दिया। यहां तक कि कलेक्टर ने भी स्कूलों में छुट्टी की घोषणा कर दी है।

मांडल के मीणा मोहल्ला, गणगौर घाट के समीप मकान ढह गया।

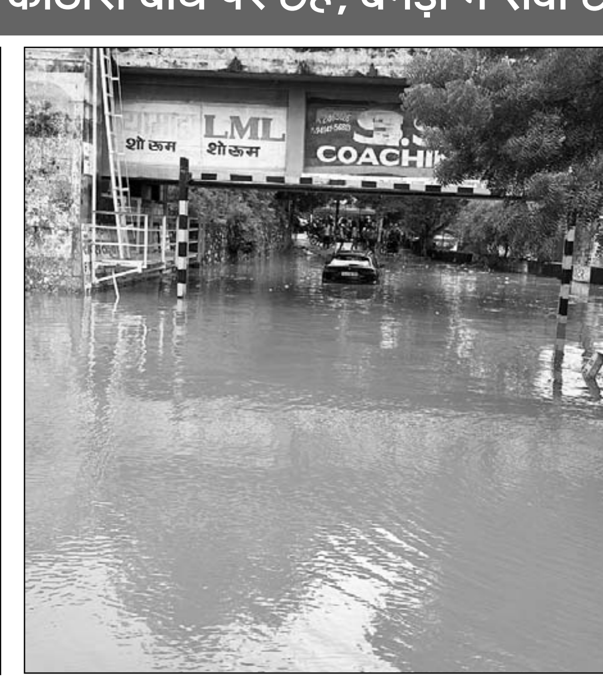
भीलवाड़ा शहर में बरसात के चलते कई जगह जल भराव हो गया।

- **कोटड़ी, मांडल क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलधार बारिश से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया**
- **भोपालगढ़ गांव में बनास नदी और गुरला तालाब के पानी में युवक बहा, लोगों ने बचाया**

जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात से जारी बरसात के चलते मांडल कस्बे के मीणा मोहल्ला, गणगौर घाट के समीप मकान ढह गया। फ़िलहाल कोई जनहानि होने की सूचना नहीं है, लेकिन मकान ढहने से आस पास के घरों में दिक्कत हो सकती है। मकान मालिक नारायण मीणा ने बताया कि सूचना के बावजूद एक घंटे बाद भी प्रशासन की टीम नहीं पहुंची है। इस कारण कस्बेवासियों में रोष बना हुआ है। वहीं जिले सबसे बड़े बांध मेजा डेम में पानी की आवक जारी है। इससे बांध का गेज 23 फीट पहुंच गया है। बांध की कुल भराव क्षमता 30 फीट है। वहीं रात भर में लगातार हो रही बारिश से उपखंड के बागोर क्षेत्र के जलाशयों में पानी की आवक जारी है। बारिश से समेलिया के तालाब की पाल टूट गई।

कोटड़ी में भी बिगड़े हालात : भीलवाड़ा जिले के कोटड़ी क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलधार बारिश ने जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। बरसात का पानी गांव-गांव से होकर बहने लगा है और मुख्य रास्तों पर भी तेज बहाव से हालात बिगड़ रहे हैं। शुक्रवार देर रात जहाजपुर से कोटड़ी की ओर आ रही एक पिकअप गाड़ी बिरधोल पुलिया पर फंस गई।

बिरधोल निवासी कमलेश ने बताया कि रात करीब 12 बजे पुलिया पर पानी का बहाव बहुत तेज था। पुलिया पहले से ही क्षतिग्रस्त होने के कारण पिकअप गाड़ी बीच में अटक गई। स्थिति इतनी खतरनाक थी कि गाड़ी चालक और खलासी दोनों की जान पर बन आई। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने हिम्मत दिखाई तो ड्राइवर और खलासी सुरक्षित बाहर निकाला जा सका। प्रशासन और पुलिस की अपील के बावजूद कई वाहन चालक खतरे को नजरअंदाज कर पुलिया पार करने की कोशिश करते हैं, जिससे बड़ा हादसा कभी भी हो सकता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द पुलिया की मरम्मत और सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की मांग की है।

वहीं भीलवाड़ा जिले के कारोई थाना क्षेत्र स्थित भोपालगढ़ गांव में तेज बारिश के कारण बनास नदी और गुरला तालाब के पानी में एक युवक बह गया। स्थानीय ग्रामीण युवकों ने अपनी जान पर खेल कर युवक की जान बचाई। जानकारी के अनुसार गांव का ही निवासी विकलांग विष्णु लाल कीर अपने खेत पर गया हुआ था। अचानक से बनास नदी और दो गांवों के बीच से गुजर रहे गुरला तालाब के पानी की तेज आवक से युवक तेज बहाव में बह गया और पानी के बीच एक पेड़ के सहारे मदद की गुहार लगाने लगा। मौके पर पहुंचे रफीक बिसायती, शेर मोहम्मद, जफर मीर, किशन किर, बद्रीलाल और अन्य ग्रामीणों ने आपसी सूझबूझ से युवक की जान बचाई।

मेरा एकमात्र लक्ष्य भारत के लिए खेलना है और इसके लिए मैं कदम दर कदम बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा हूं। - निशांत सिंधु

भारतीय बल्लेबाज, अपने प्रदर्शन को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

योगराज सिंह

योगराज सिंह ने धोनी पर हमला बोला तो बोला साथ ही उन्होंने कपिल देव और दिवंगत बिशन सिंह बेदी को भी लपेटे में ले लिया। उन्होंने कहा कि, मैं बिशन सिंह बेदी, कपिल देव और एमएस धोनी की बात करता हूं। मैं उन लोगों के बारे में बात कर सकता हूं जिनके साथ रहा हूं। जो गलत है वो गलत है। मैं इसे खुलकर कहता हूं कि हमारे कप्तानों ने हमारी टीम और हमारे क्रिकेटरों को बर्बाद किया। वहीं अब योगराज ने कहा कि धोनी पर सिर्फ इरफान ने ही सवाल नहीं उठाए हैं। गौतम गंभीर, वीरेंद्र सहवाग और हरभजन सिंह ने भी धोनी की कप्तानी के दिनों में खुद के साथ सलूक पर सवाल उठाए हैं।

क्या आप जानते हैं ?... अंग्रेजों ने 1889-90 में जीएफ वर्नोन की कप्तानी में एक टीम भारत भेजी थी। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य भारत में रहने वाले अंग्रेजों के खिलाफ खेलना था।

पाक आईसीसी महिला विश्वकप के उद्घाटन समारोह में शामिल नहीं होगा

लाहौर, 6 सितंबर। पाकिस्तान 30 सितंबर को गुवाहाटी में होने वाले आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के उद्घाटन समारोह में शामिल नहीं होगा, क्योंकि टीम का कोई भी सदस्य इस आयोजन के लिए भारत नहीं जाएगा। जियो सुपर की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तानी टीम 2025 के उद्घाटन समारोह में शामिल नहीं होगी।

रिपोर्ट में कहा गया है, ''सह-मेजबान भारत और श्रीलंका के बीच गुवाहाटी के डॉ. भूपेन हजारिका क्रिकेट स्टेडियम में टूर्नामेंट के पहले मैच से पहले एक भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें भाग लेने वाली टीमों के कप्तान इस कार्यक्रम में शामिल होंगे और सामान्य तौर पर एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस और प्रतिष्ठित ट्रॉफी के साथ फोटोशूट भी करेंगे।''

हालांकि, जियो सुपर ने बताया कि न तो पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना और न ही पाकिस्तान का कोई अन्य प्रतिनिधि उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए भारत आएगा। चैनल ने कहा कि आगामी आयोजन से पाकिस्तान की संभावित अनुपस्थिति फ्यूजन फॉर्मूला के कारण है, जिसके अनुसार पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद से, न तो वे और न ही भारत अगले तीन वर्षों तक किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट के लिए एक-दूसरे का दौरा करेंगे। परिणामस्वरूप, ''पाकिस्तान महिला विश्व कप 2025 के अपने सभी मैच कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेलेगा।''

रिपोर्ट में आगे कहा गया है, ''अगर ग्रीन शर्ट्स 29 अक्टूबर को सेमीफाइनल और 2 नवंबर को फाइनल में पहुंचती है, तो दोनों मैच भी कोलंबो में ही होंगे।'' रिपोर्ट में घोषणा की गई है कि पाकिस्तान अपने अभियान की शुरुआत 2 अक्टूबर को बांग्लादेश के खिलाफ अपने निर्धारित स्थल पर करेगा।

बीसीसीआई के चुनाव 28 को मुंबई में होंगे

मुंबई, 6 सितम्बर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपनी बहुप्रतीक्षित वार्षिक आम बैठक 28 सितंबर को निर्धारित की है। आम सभा की बैठक सुबह 11:30 बजे मुंबई स्थित बीसीसीआई मुख्यालय में होगी, जिसका मुख्य एजेंडा चुनाव कराना है। सचिव देवजीत सैकिया द्वारा राज्य संघों को भेजे गए एक पत्र के अनुसार, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष के पदों के लिए चुनाव होंगे।

सैकिया का सेक्रेटरी बने रहना तय

सैकिया का सेक्रेटरी बने रहना तय बीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया अपनी पोजिशन कायम रखेंगे, क्योंकि वे 3 साल ऑफिस में काम करने के बाद इसी साल सेक्रेटरी बने थे। उन्होंने जय शाह के आईसीसी चेयरमैन बनने के बाद बीसीसीआई सेक्रेटरी का पद संभाला था। सेक्रेटरी इलेक्शन के दौरान ट्रेजरर प्रभतेज भाटिया (छत्तीसगढ़) और जॉइंट सेक्रेटरी रोहन गौंस देसाई (गोवा) भी चुने गए थे। इस कारण वे भी अपना पद बरकरार रखेंगे। तीनों 3 साल के लिए इस पद पर चुने गए हैं।

महीपाल लोमरोर, कार्तिक शर्मा व यथार्थ भारद्वाज अवार्ड्स से सम्मानित

32वां मथुरादास माथुर अवार्ड

जयपुर, 6 सितम्बर। राजस्थान ब्लूज किकेट क्लब की ओर से हर वर्ष की भांती राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं राजस्थान सरकार में मंत्री रहे स्व मथुरादास माथुर की स्मृति में उनकी जयन्ती के अवसर पर होटल हिल्टन में प्रातः 11:30 बजे एक समारोह में 32वीं मथुरा दास माथुर अवार्ड सम्पन्न हुआ। समारोह में राजस्थान के लिए वर्ष 2024-25 में उत्कृर्ष प्रर्दशन करने पर सीनियर वर्ग में महीपाल लोमरोर, जूनियर वर्ग में कार्तीक शर्मा व सब जूनियर वर्ग में यथार्थ भारद्वाज को अवार्ड से सम्मानित किया गया।

अवाडर्स के तहत सीनियर वर्ग में 15000 (पन्द्रह हजार) तथा जुनियर व सब जूनियर वर्ग में क्रमश रूपये 7500/- (साडे सात हजार रुपये नकद) व सर्टिफिकेट ऑफ एक्सिलेंस, स्मृति चिन्ह, व सम्पूर्ण किट बैग प्रदान किये गये। इससे पहले महिपाल लोमरोर को अवार्ड 2017 में मिला था। इससे पहले यह अवार्ड पंकज सिंह, अनिकेत चौधरी, अशोक मेनारिया को 2 बार मिल चुका है।

अवार्ड समारोह के मुख्य अतिथि मुनेश्वर नाथ भण्डारी (चैयरमैन अपीलेट ट्रिबुनल सफेम, भारत सरकार व पूर्व मुख्य न्यायाधीस, मद्रास उच्च न्यायालय), विशिष्ठ अतिथि टीकाराम जूली (नेता प्रतिपक्ष, राजस्थान विधान सभा) व विशिष्ठ अतिथि डी डी कुमावत (कन्वीनर, तदर्थ समिति आर सी ए) व क्लब के अध्यक्ष विनोद माथुर के द्वारा अवार्ड प्रदान किये गये। इस अवसर पर सैकडों खिलाडी व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। समारोह के अन्त में राजस्थान ब्लूज क्रिकेट क्लब की ओर से विनोद माथुर ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

द्वितीय रॉयल जयपुर ओपन फिडे रेटेड रैपिड शतरंज प्रतियोगिता 2025 का भव्य शुभारंभ

जयपुर, 6 सितंबर। जयपुर शहर में दिमाग़ी जंग का रोमांच अपने चरम पर है। द्वितीय रॉयल जयपुर ओपन फिडे रेटेड रैपिड शतरंज प्रतियोगिता 2025 का भव्य शुभारंभ डॉ. अरुण चतुर्वेदी, अध्यक्ष - राज्य वित्त आयोग, राजस्थान के करकमलों द्वारा हुआ। जानकारी को साझा करते हुए डॉ. जयेंद्र चतुर्वेदी, आयोजन सचिव एवं सीईओ, ने कहा कि उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा और खिलाड़ियों की जबरदस्त भागीदारी इस आयोजन को विशेष बना रही है। सभी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर 4 में से 3 अंक बनाए। इन खिलाड़ियों की जुझारू जीतों ने स्थानीय दर्शकों की उम्मीदों को नई उड़ान दी है और यह साबित किया है कि जयपुर की नई पीढ़ी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाने के लिए तैयार है। कड़े मुकाबलों और दिग्गजों व उभरते खिलाड़ियों के टकराव के बीच यह प्रतियोगिता आने वाले दौरों में और भी रोमांचक होने जा रही है।

थंडरबोल्ट और कोंग्निवेरा एएससी की शानदार जीत

जयपुर, 6 सितम्बर। कैवलरी पोलो ग्राउंड में आर्मी कमांडर्स कप 2025 में थंडरबोल्ट पोलो टीम ने पहले सेमीफाइनल में अपनी उत्कृष्टता और तैयारी का प्रदर्शन किया और गोहिलवाड़ पोलो टीम को 9 - 2.5 के निर्णायक स्कोर से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में, कोंग्निवेरा एएससी पोलो टीम ने जयपुर पोलो टीम के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 गोल के मुकाबले 4 गोल का प्रभावशाली स्कोर बनाया।

राजस्थान राज्य सीनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता में आज हुए नॉकआउट मुकाबले

अलवर, 6 सितम्बर। राजस्थान तीरंदाजी संघ के तत्वावधान में अलवर तीरंदाजी संघ द्वारा आयोजित राजस्थान सीनियर राज्य तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन राफेल यूनिवर्सिटी मैदान, नीमराना में जारी है। इस प्रतियोगिता में प्रदेशभर से आए खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जिनमें 40 से अधिक अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के तीरंदाज भी शामिल हैं।

राज्य स्तरीय वीमेन टी-20 चैम्पियनशिप ट्रॉफी

जयपुर, 6 सितंबर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की वीमेन अंडर 19 प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर वीमेन 20 चैम्पयनशिपट्रॉफी के आज जयपुर में खेले गए मैचों में प्रतीक्षा सिंह का शानदार शतक, पर्ल बनावत, सुरभि परिहार के अर्धशतक , धृति ,सिद्धि ,मैना , सरिता, नीतू के शानदार पारियां रेखा, हरमनदीप, आरती, दृष्टि, प्रियंका, मैना, वैष्णवी, कृष्णा, तनुश्री, कृतिका, रिमझिम अनुसका की शानदार गेंदबाजी रही।

जयपुर की पूजा शर्मा नेशनल फुटबॉल चैम्पियनशिप के लिए राजस्थान टीम में शामिल

जयपुर, 6 सितंबर। अमृतसर में आयोजित होने जा रही राष्ट्रीय सीनियर महिला फुटबॉल चैंपियनशिप 2025 के लिए आज राजस्थान की टीम घोषित हुई जिसमें जयपुर जिले की पूजा शर्मा का चयन हुआ। जयपुर जिला फुटबाल संघ के पूर्व सचिव अब्दुल जब्बार ने बताया कि पिछले 10 दिन से भीलवाड़ा में सीनियर टीम के सिलेक्शन के लिए कैंप आयोजित हो रहा था जिसमें अपने प्रदर्शन के आधार पर जयपुर की पूजा शर्मा का चयन हुआ है। उन्होंने बताया कि पूजा शर्मा रॉयल फुटबॉल क्लब जयपुर की नियमित खिलाड़ी है। रॉयल फुटबॉल क्लब के डायरेक्टर डॉक्टर दिलीप सिंह चुंडावत ने बताया कि उनके फुटबॉल क्लब की सभी शाखों पर पिछले 3 साल से महिला फुटबॉल को बढ़ावा देने हेतु सभी उम्र की महिला खिलाड़ियों को निशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। इस अवसर पर अब्दुल जब्बार और डॉक्टर दिलीप सिंह चुंडावत ने राजस्थान टीम को अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।

गोल्ड मेडल इंडियन जूनियर ओपन स्क्वैश : राजस्थान के खिलाड़ियों ने जीते दो स्वर्ण सहित छह पदक

जयपुर, 6 सितम्बर। राजस्थान के खिलाड़ियों ने शनिवार को यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम कोर्ट्स पर संपन्न गोल्ड मेडल इंडियन जूनियर ओपन स्क्वैश चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य सहित कुल छह पदक जीते। राजस्थान के अमय महाजन ने बॉयज अंडर-9 के फाइनल में मध्य प्रदेश के दर्श मेहरोत्रा को 13-11, 11-6, 11-4 से हरा स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस स्पर्धा में राजस्थान के हार्विन सेठिया ने वीर लायल को 11-2, 11-2 से हरा कांस्य पदक हासिल किया। बॉयज अंडर-17 में सुभाष चौधरी ने उत्तर प्रदेश के राघव वशिष्ठ को 11-8, 11-4, 10-12, 11-2 से हरा स्वर्णिम सफलता हासिल की।

राजस्थान के लिए लक्षाण्या राजावत ने गर्ल्स अंडर-9 में रजत पदक जीता। लक्षाण्या को फाइनल मुकाबले में तुलसी मीरा के. से 12-10, 11-6, 11-4 से हार का सामना करना पड़ा। इसी स्पर्धा में राजस्थान की एक और खिलाड़ी नविका सोनी ने साहिशा मोदी को 11-7, 14-12 से हरा कांस्य पदक अपने नाम किया। राजस्थान को एक और कांस्य पदक गर्ल्स अंडर-19 में मिला। छवि सारण ने खुशबू को 11-5, 0-11, 12-10, 12-10 से हरा यह उपलब्धि हासिल की। गर्ल्स अंडर-19 में रुद्रा सिंह ने व्योमिका खंडेलवाल को 11-7, 17-11, 11-2 से हरा स्वर्ण पदक अपने नाम किया। बॉयज अंडर-19 का स्वर्ण यूशा नफीस ने रचित शाह को 8-11, 5-11, 11-8, 11-5, 11-2 से हराकर जीता। आयुश वर्मा ने प्रयांशु कुमार को 11-3, 10-12, 10-12, 11-4, 11-8 से हरा कांस्य पदक जीता।

समापन समारोह में आईजी पुलिस डॉ. अमनदीप कपूर, आरएसआरए अध्यक्ष राजेन्द्र मेहता, सचिव धीरज सिंह और स्क्वैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया की उपाध्यक्ष सुरभि मिश्रा ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। इससे पूर्व आज सुबह मुकाबले शुरू होने से पहले पूर्व अंतरराष्ट्रीय स्क्वैश खिलाड़ी और राजस्थान में इस खेल के संरक्षक चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर की माता जी के निधन पर शोक व्यक्त कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

अन्य फाइनल मैचों के परिणाम - अंडर-11 : बॉयज में हरिबाला के ने तिलकवीर कपूर को 11-9, 12-10, 8-11, 6-11, 11-9 से, गर्ल्स में आलिया कांकरिया ने मलेशिया की कीर्ति प्रधा को 10-12, 11-8, 11-9, 16-14 से हराया।

अंडर-13 : बॉयज में यूएसए के शायन समतानी ने अभ्युदय अरोड़ा को 11-5, 11-5, 12-10 से, गर्ल्स में शनाया परसरामपुरिया ने नंदिकाश्री कलइवनन को 11-7, 11-7, 11-6 से हराया।

अंडर-15 : बॉयज में श्रेयांस झा ने हर्शल राणा को 14-12, 11-5, 11-8 से, गर्ल्स में आद्या बुधिया ने वसुंधरा नानगरे को 12-10, 11-7, 10-12, 11-7 से हराया।

अंडर-17 : गर्ल्स में सहर नैयर ने सानवी कलंकी को 12-10, 11-1, 11-6 से हराया।

श्रेयस अय्यर संभालेंगे भारत-ए टीम की कप्तानी

मुंबई, 6 सितम्बर। सीनियर पुरुष चयन समिति ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दो बहु-दिवसीय मैचों के लिए भारत ए टीम का चयन किया है जिसकी कप्तानी बल्लेबाज श्रेयस अय्यर संभालेंगे। केएल राहुल और मोहम्मद सिराज को दूसरे बहु-दिवसीय मैच के लिए टीम में शामिल किया जाएगा और वे पहले बहु-दिवसीय मैच के बाद टीम में शामिल दो खिलाड़ियों की जगह लेंगे। यह श्रृंखला 16 सितंबर, 2025 से शुरू होगी और दूसरा बहु-दिवसीय मैच 23 सितंबर, 2025 को शुरू होगा। दोनों मैच लखनऊ में होंगे। बहु-दिवसीय मैचों के बाद तीन एकदिवसीय मैच होंगे, जो क्रमशः 30 सितंबर, 3 अक्टूबर और 5 अक्टूबर, 2025 को कानपुर में खेले जाएंगे। टीमः श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, एन जगदीशन (विकेट कीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (उपकप्तान और विकेट कीपर), देवदत्त पडिक्कल, हर्ष दुबे, आयुष बदोनी, नितीश कुमार रेड्डी, तनुश कोटियन, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, खलील अहमद, मानव सुथार, यश ठाकुर।

राजधानी

शिक्षा के साथ मिलेंगे सनातन संस्कार, हर विद्यार्थी बनेगा राष्ट्र का गौरव : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

श्री परशुराम ज्ञानपीठ के लोकार्पण पर जयपुर में गूंजे भगवान परशुराम के जयकारे

जयपुर। विप्र समाज की शिक्षा, स्वावलंबन और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की दिशा में ऐतिहासिक पहल करते हुए जयपुर के मानसरोवर में शनिवार को श्री परशुराम ज्ञानपीठ (सेंटर फॉर एक्सीलेंस एंड रिसर्च) का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भगवान परशुराम की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर केंद्र का उद्घाटन किया और जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि यह संस्थान शिक्षा, विज्ञान और सनातन संस्कारों का केंद्र बनेगा।

मुख्यमंत्री शर्मा ने विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय संयोजक सुशील ओझा सहित सभी पदाधिकारियों को इस पुनीत कार्य के लिए बधाई दी और कहा कि समाज की यह जिम्मेदारी है कि ऐसे शिक्षण केंद्र गांव-गांव में स्थापित हों, ताकि हर वर्ग के वंचित युवा मुख्यधारा से जुड़ सकें। मुख्यमंत्री शर्मा ने अपने संबोधन में राजस्थान के समग्र विकास का खाका भी प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि प्रदेश में बिजली, पानी, रोजगार और औद्योगिक विकास को लेकर ठोस कार्य किए जा रहे हैं। राइजिंग राजस्थान के माध्यम से 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश को आकर्षित किया है। हर वर्ष एक लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां दी जा रही हैं। पेपर लीक माफिया को जेलों में डालकर पारदर्शी परीक्षा प्रणाली लागू की गई है।

श्री परशुराम ज्ञानपीठ के शुभारंभ समारोह के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को समाजबंधुओं ने भगवान परशुराम की प्रतिमा भेंट की।

- **ब्राह्मण महासंगम में जुटे हजारों विप्रजन, प्रकाशदास महाराज के भजनों से गूंजा माहौल**

बारिश की बाधा को दरकिनार कर नीरजा मोदी स्कूल ग्राउंड में एक विशाल विप्र महासंगम आयोजित हुआ, जहां संत गौ ऋषि प्रकाशदास महाराज के राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत भजनों ने जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में लगातार जय परशुराम के जयकारे गूंजते रहे। संस्थापक सुशील ओझा को वक्ताओं ने आधुनिक युग का भागीरथ बताते हुए कहा कि उनके प्रयासों से ही ईआरसीपी योजना साकार हुई और समाज को एक नई दिशा मिली है। समारोह में पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, राज्य वित्त आयोग अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य, वन मंत्री संजय शर्मा, महाराष्ट्र परशुराम बोर्ड के अध्यक्ष सतीश दामले, विधायक जेठानंद व्यास, ताराचंद सारस्वत, शत्रुघ्न गौतम, वरिष्ठ नेता सत्यनारायण शर्मा, भाजपा उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, विप्र फाउंडेशन अध्यक्ष राधेश्याम गुरुजी, समाजसेवी बाबूलाल पारीक, महावीर सोती, बनवारीलाल सोती, सत्यनारायण श्रीमाली, हरिप्रसाद शर्मा, जगदीश मिश्रा, परमेश्वर शर्मा सहित देशभर से आए कई गणमान्य विप्रजन उपस्थित रहे।

एनओसी जारी करने के आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधीन कार्यरत रही पूर्व एनटीटी शिक्षक को साल 2018 की भर्ती में नियुक्ति के लिए एनओसी जारी करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस मनीष शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश रेणु शर्मा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने अदालत को बताया कि बताया कि याचिकाकर्ता एनटीटी भर्ती में चयनित होकर साल 2012 में प्रतापगढ़ के आंगनबाड़ी केंद्र में नियुक्त हुई थी। विभाग की ओर से साल 2018 में पुनः एनटीटी के पदों के लिए भर्ती निकाली। जिसमें याचिकाकर्ता ने आवेदन किया, ताकि चयन होने पर वह नजदीक के जिले में नियुक्त हो सके।

इस परीक्षा में वह मेरिट में भी आ गई। वहीं एनटीटी पदों को माध्यमिक शिक्षा विभाग में मर्ज कर सितंबर, 2023 को याचिकाकर्ता को स्कूल में नियुक्ति दे दी गई। याचिका में कहा गया कि दिसंबर, 2023 में चयन बोर्ड ने पूर्व भर्ती को लेकर विभाग से एनओसी मांगी। वहीं एनओसी नहीं मिलने के कारण उसके चयन को प्रोविजनल लिस्ट में रख दिया गया। याचिकाकर्ता की ओर से इस कार्रवाई को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर कर एनओसी दिलाने की गुहार की। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को एनओसी जारी करने के आदेश दिए हैं।

राजस्थान बनेगा देश का सबसे बड़ा डेयरी हब : मुख्यमंत्री

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौवंश केवल आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि समृद्धि और संस्कारों का मूल आधार है। हमें अपने जीवन के मांगलिक अवसरों पर गौ-सेवा का संकल्प लेना चाहिए ताकि सामाजिक और आध्यात्मिक दृष्टि से सशक्त समाज का निर्माण हो सके। वे शनिवार को विद्याधर नगर स्टेडियम, जयपुर में श्री देवराहा बाबा गौ सेवा परिवार द्वारा आयोजित 'गौ आधारित वैश्विक शिखर सम्मेलन - गौ महाकुंभ' को संबोधित कर रहे थे।

- **भारतीय संस्कृति में गौवंश केवल आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि समृद्धि और संस्कारों का मूल आधार : भजनलाल शर्मा**

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने गौ संरक्षण और संवर्धन के लिए 2791 करोड़ रुपये की अनुदान राशि स्वीकृत की है। प्रत्येक पंजीकृत गौशाला को प्रति गाय 50 रुपये और बछडों के लिए 25 रुपये प्रतिदिन की दर से सहायता दी जा रही है। प्रदेश की 100 गौशालाओं को गौ-काष्ठ मशीनें रियायती दर पर उपलब्ध कराई गई हैं, जबकि 341 गौशालाओं में आधारभूत सुविधाओं का विकास किया गया है। नंदीशाला सहभागिता योजना के अंतर्गत पंचायत स्तर पर निर्माण कार्यों के लिए 62 करोड़ रुपये से अधिक की राशि आवंटित की गई है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राजस्थान को देश का सबसे बड़ा डेयरी हब बनाने की दिशा में ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

दुग्ध उत्पादकों को प्रति लीटर 5 रुपये का अनुदान दिया जा रहा है, जिससे औसतन 864 रुपये प्रति किलो फैट का मूल्य सुनिश्चित किया गया है। मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक प्रोत्साहन योजना के तहत 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसमें से 468 करोड़ रुपये डीबीटी के माध्यम से किसानों के खातों में हस्तांतरित किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान सम्मान निधि को बढ़ाकर 9 हजार रुपये कर दिया गया है।

गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है और अब तक 33 हजार से अधिक दुग्ध उत्पादकों को 3 लाख रुपये का बीमा कवर प्रदान किया गया है। इस अवसर पर जयपुर जिला प्रमुख रमादेवी चौपड़ा, गौ महाकुंभ के चेयरमैन डॉ. लालसिंह, गौ संरक्षण से जुड़ी संस्थाओं के प्रतिनिधि, गोपालक एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

जयघोष के बीच बप्पा को नम आंखों से दी विदाई

'अगले बरस तू जल्दी आ' के नारों से गूंजा जयपुर

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में गणेशोत्सव का समापन भावुक माहौल में हुआ। शनिवार को शहरभर में अलग-अलग समूह में भक्तगण पूजा-पंडालों और घरों में स्थापित भगवान गणेश की प्रतिमाओं को लेकर नाचते -गाते हुए तालाबों और जल स्त्रोतों के पास पहुंचे।

जिसके बाद जल स्त्रोतों के बाहर गणपति बाबा मोरया के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। जल महल झील, मावठा, सागर, चंदलाई बांध सहित कृत्रिम तालाबों में भी गणपति बाबा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया।

शहरभर से अलग-अलग समूह में बाबा के भक्तगण प्रथम पूज्य की प्रतिमा को लेकर ढोल-नगाडों और आतिशबाजियों करते हुए रवाना हुए।

गणेशोत्सव के समापन पर शनिवार को श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की प्रतिमा को जल में विसर्जित किया।

कई जगह तो मराठी पारंपरिक वेशभूषा में भी श्रद्धालु गणेश जी महाराज के भजनों पर नृत्य करते हुए नजर आए। डीजे की धून पर थिरकते हुए श्रद्धालुओं ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। विशेष पूजा-अर्चना के बाद प्रथम पूज्य को छप्पन भोग अर्पित किए गए। जिसके बाद भक्तों ने उन्हे भावुक विदाई दी।

- **मोदक भोग और आतिशबाजी संग भक्तों ने किए बप्पा के दर्शन**
- **ढोल- नगाड़ों और आतिबाजी के बीच हुआ मूर्ति विसर्जन**

अनंत चतुर्दशी के पावन अवसर पर गणपति बाबा के जयकारों के साथ आमेर मावठा, कानोता बांध, गोनेर बंधा सहित कई नदी-तालाबों के घाट गूंज उठे। श्रद्धालु सजाई हुई ट्रैक्टर-ट्रॉली, पिकअप और लोडिंग टेम्पो में झूमते-नाचते प्रतिमाओं को विसर्जन स्थल तक लेकर पहुंचे। विसर्जन से पूर्व श्रद्धालुओं ने धूप-दीप से पूजन किया और बप्पा को मोदक का भोग अर्पित किया। इसके बाद आतिशबाजी और बैंड-बाजों की गूंज के बीच प्रतिमाओं की शोभायात्रा शहर के मुख्य मार्गों से निकलकर घाटों तक पहुंची। नम आंखों और आस्था से भरे दिलों के साथ भक्तों ने बप्पा को विदा किया और उनके पुनः आगमन की कामना की।

बनीपार्क के माधव सिंह सर्किल स्थित माधव विलास में विराजमान गणपति बप्पा की श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से पुष्पांजलि अर्पित की। ओमप्रकाश मालवानी ने बताया कि सोसायटी के सभी लोगों ने शाम को सामूहिक आरती की। आरती से पूर्व गणपति की नजर उतार कर गणेश वंदना की गई।

दिल्ली क्राइम ब्रांच का अधिकारी बनकर एक लाख रुपए ठगे

जयपुर । करधनी थाना इलाके में अश्लील वीडियो कॉल से ब्लैकमेलिंग कर एक लाख रुपए ऐंठने का मामला सामने आया है। जानकारी में सामने आया कि दिल्ली क्राइम ब्रांच का अधिकारी बनकर कॉल कर धमकाया । इस संबंध में पीडित थाने पहुंचा और मामला दर्ज करवाया।

जांच अधिकारी एसआई चन्द्रभान सिंह के अनुसार थाना इलाके रहने वाले 52 वर्षीय व्यक्ति ने मामला दर्ज करवाया है कि गत दिनों पहले वह घर पर था और रात उसके मोबाइल पर वाट्सएप वीडियो कॉल आया। कॉल उठाने पर एक युवती अश्लील हालत में दिखाई दी। वह अश्लील भाषा में बात करने और इशारे करने के लिए उकसाने लगी। गलत हरकतें देखकर वॉट्सऐप कॉल काट दिया। इसके बाद अगले दिन एक व्यक्ति का कॉल आया और कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद का नाम गौरव मल्होत्रा दिल्ली क्राइम ब्रांच का अधिकारी होने की बताते हुए कहा कि एक लड़की ने उसके खिलाफ शिकायत दी है कि उसने आपत्तिजनक वीडियो भी बना रखा है। जो आधे घंटे में वायरल होने वाला है। सामाजिक बदनामी और कानूनी कार्रवाई का डर दिखाकर धमकाते हुए वीडियो डिलीट करने को कहा। वीडियो डिलीट कराने के लिए वॉट्सऐप पर एक मोबाइल नंबर भी भेजा। इसके बाद एक अन्य व्यक्ति का फोन आया कि आपने रात को वॉट्सऐप पर किसी लड़की से बात की थी। हमने आपकी वीडियो रिकॉर्डिंग कर रखी है। दोनों ने डरा-धमकाकर 1.08 लाख रुपए ले लिए। बैंक अकाउंट में रुपए खत्म होने पर परिचित से 15 हजार उधार लेकर भेजे थे।

नशा तस्कर को 20 साल की सजा

श्रीगंगानगर, (कासं)। एनडीपीएस मामलों की विशेष अदालत ने नशे के तौर पर इस्तेमाल होने वाली टेबलेट के साथ पकड़े गए दोषी को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई।

न्यायाधीश अजय कुमार भोजक की अदालत ने दोषी तेजप्रकाश पुत्र खिराज निवासी 16 बीएनडब्ल्यू, स्यागांवाली पर एक लाख रूपए का जुर्माना भी लगाया है। अर्थदंड अदा नहीं करने पर आरोपी को दो वर्ष का अतिरिक्त कारावास भोगना होगा। एपीपी विजेन्द्र कुमार घिंटाला ने बताया कि इस मामले में एक अन्य आरोपी सुनील कुमार को बरी किया गया है। दोषी को 21 जून 2021 को गिरफ्तार किया गया था। उसके पास ट्रामाडोल की 1480 टेबलेट बरामद हुई थी।

पुलिस की ओर से प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने तेजप्रकाश को दोषी मानते हुए 20 साल की सजा सुनाई। एपीपी विजेंद्र कुमार घिंटाला ने बताया कि दोषी तेजप्रकाश को जवाहर नगर थाना पुलिस ने 12 मासी पुल के पास 21 जून 2021 को गिरफ्तार किया था। कार्यवाहक थानाधिकारी शिम्भुदयाल टीम के साथ गश्त पर थे। इसी दौरान पुल के पास दो बाइक पर तीन लड़के नजर आए। पुलिस को देखते ही एक बाइक पर बैठे दो लड़के मौके से फरार हो गए। दूसरी बाइक पर बैठे युवक तेजप्रकाश को पकड़कर पूछताछ की गई तो उसने बाइक की टंकी पर रखा काले रंग का बैग छिपाने की कोशिश की। बैग की तलाशी लेने पर ट्रामाडोल 100 एमजी की टेबलेट के 148 पत्ते बरामद हुए। टाइओ 100 एमजी एसआर टेबलेट का बिल नहीं मिला। इसके बाद दोषी तेजप्रकाश के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया। पूछताछ के दौरान दोषी तेजप्रकाश ने टेबलेट सुनील कुमार व एक अन्य व्यक्ति से खरीद की बात कही। दोषी ने टेबलेट को ग्रामीण इलाके में बेचकर रुपए कमाने की बात भी कही।

लूणकरनसर तहसीलदार ने निरीक्षण किया

बीकानेर, (कासं)। लूणकरनसर तहसीलदार विनोद पूनिया ने शनिवार को विभिन्न क्षेत्रों में डिजिटल क्रॉप सर्वे का निरीक्षण किया। पूनिया ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार प्रदेश में डिजिटल क्रॉप सर्वे (डीसीएस) का कार्य चल रहा है। यह शत-प्रतिशत ऑनलाइन है और मौके पर जाकर संपादित किया जाता है। जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार तहसीलदार ने पटवार हल्का महाजन, चकजोड़, सुरनाणा पहुंचकर डीसीएस का निरीक्षण किया। उन्होंने हल्का पटवारियों को गिरदावरी का यह कार्य जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

सहजन पौध वितरण

बरसिंहसर। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बरसिंहसर के शाला प्रांगण में आज अनंत चतुर्दशी के अवसर पर सहजन पौध वितरण किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य रतनलाल छलाणी ने विद्याथिर्यों को पौधारोपण व वृक्षों का महत्व बताते हुए कहा कि प्रभारी व्याख्याता गोवर्धन लाल गोदारा के नेतृत्व में विद्याथिर्यों का सहयोग लेते हुए विद्यालय की नर्सरी में ही पौधों को तैयार किया गया है। इन पौधों को विद्याथिर्यों को अपने घरों व खेतों में खाली स्थान पर लगाना है तथा इनका पालन पोषण कर वृक्ष के रूप में खड़ा करना है। प्रभारी गोवर्धन लाल गोदारा ने विद्याथिर्यों को पौधारोपण की प्रक्रिया विस्तार से समझाई तथा सहजन की फलियों, पत्तों व बीजों का औषधीय गुण व उपयोग बताये।

'सैनिक स्कूल बनने से बालिकाओं में भी देश सेवा का जज्बा पैदा होगा'

- **प्रभारी सचिव ने निर्माण कार्य अविलम्ब तथा पूर्ण गुणवत्ता से पूरा करने के निर्देश दिए**

बीकानेर, (कासं)। शिक्षा सचिव तथा जिला प्रभारी सचिव कृष्ण कुणाल ने शनिवार को जयमलसर में देश के पहले राजकीय बालिका सैनिक कन्या विद्यालय पूज्या रामी देवी रामनारायण राठी बालिका सैनिक विद्यालय का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रदेश की बच्चियों के लिए भी यह बेहद लाभदायक साबित होगा। प्रभारी सचिव ने समूचे विद्यालय परिसर का अवलोकन किया। उन्होंने यहां सौ बच्चियों की क्षमता के छात्रावास का निर्माण शीघ्र करने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि पूरे भवन में आवश्यक मरम्मत कार्य अति शीघ्र पूर्ण किए जाएं। उन्होंने यहां प्रिंसिपल और वार्डन के आवास बनाने के निर्देश दिए तथा कहा कि अलग-अलग खेलों के लिए पांच मैदान निर्माण तथा एथलेटिक्स कोर्ट का कार्य भी प्राथमिकता से पूर्ण किया जाए, जिससे जल्दी इस विद्यालय की शुरूआत की जा सके।

प्रभारी सचिव ने कहा कि बालिका सैनिक स्कूल बनने से प्रदेश की बालिकाओं में भी देश की सेवा करने का जज्बा पैदा होगा। उन्होंने यहां होने वाली गतिविधियों की जानकारी ली और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। प्रगतिरत कार्यों का अवलोकन किया तथा कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए।

प्रभारी सचिव ने कहा कि बालिका सैनिक विद्यालय में सभी सुविधाएं राष्ट्रीय मानकों के आधार पर उपलब्ध करवाई जायेगी, जिससे बच्चियों को बेहतर वातावरण मिले। इसके लिए उच्च स्तर पर नियमित समीक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह सरकार की प्राथमिकताओं में है तथा इनमें किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जायेगी।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश सरकार द्वारा संभाग स्तर पर सैनिक विद्यालय प्रारम्भ करने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत बीकानेर में भामाशाह परिवार की ओर से यह पहल की गई है। भामाशाह पूनमचंद राठी द्वारा 108 करोड़ रूपए राशि की भूमि और भवन शिक्षा विभाग को समर्पित करने के फलस्वरूप बीकानेर को यह विद्यालय मिला है।

इस दौरान जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहनलाल मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी महेन्द्र शर्मा जिला शिक्षा अधिकारी कृष्णदान चारण शिक्षा निदेशालय के संयुक्त निदेशक रमेश हर्ष, एडीपीसी कृष्ण कुमार सहित अन्य अधिकारी तथा भामाशाह परिवार के प्रतिनिधि मौजूद थे।

एक उम्मीद संस्था द्वारा स्वस्थ गंगानगर-हरा भरा गंगानगर अभियान के तहत महिला कांग्रेस अध्यक्ष कमला बिश्नोई के सहयोग से माता अमृता देवी दिवस पर निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। भूप कॉलोनी में लगाये गए इस शिविर में हेल्थफिट टीम की अग्रणी भूमिका रही।

शिविर में सैकड़ों लोगों की निशुल्क शुगर जांच की गई तथा फैटी लिवर, मांसपेशियों की जाँच, दिल की जाँच, प्रोटीन, हड्डियों और महिलाओं से जुड़ी पीसीओडी की जांच सहित 14 विभिन्न जांचें भी निशुल्क की गई। इस मौके पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए क्षेत्रवासियों को विभिन्न किस्मों के छायादार व फलदार वृक्ष वितरित किए गए।

बुजुर्ग का जटिल घुटना प्रत्यारोपण सफल

बीकानेर, एसडीएम राजकीय जिला चिकित्सालय ने चिकित्सा क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अस्थि रोग विभाग ने पहली बार ग्रोइन फ्लैप सर्जरी कर दुर्घटना में घायल एक मरीज के हाथ को नया जीवन दिया, वहीं दूसरी ओर एक बुजुर्ग मरीज का जटिल घुटना प्रत्यारोपण भी सफलतापूर्वक किया गया। दोनों ऑपरेशन मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत निशुल्क किए गए।

पूगल निवासी एक मरीज दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया था। हाथ की त्वचा और ऊतक बुरी तरह नष्ट हो चुके थे और हाथ काटने की नौबत आ गई थी। कई चिकित्सकों ने जयपुर रेफर कर दिया, लेकिन बीकानेर जिला अस्पताल की टीम ने जटिल ग्रोइन फ्लैप सर्जरी करने का निणन्य लिया। डॉ. लोकेश सोनी के नेतृत्व में टीम ने मरीज के पेट की त्वचा को फ्लैप के रूप में प्रयोग करते हुए हाथ को 21 दिन तक पेट से जोड़े रखा। समय पूरा होने पर हाथ को अलग कर दिया गया।

अनियमितता पर दो फर्मों से उर्वरक जब्त, विक्रय पर लगाई रोक

- **कृषि विभाग के अधिकारियों की टीम ने पदमपुर मंडी में दो खाद विक्रेता फर्मों पर की कार्रवाई**

श्रीगंगानगर, (कासं)। पदमपुर मंडी में एक सप्ताह पहले नकली डीएपी किसानों को बेचने का मामला पकड़ में आने के बाद अब कृषि विभाग की ओर से उर्वरक विक्रेताओं के यहां छापेमारी कर गहन जांच के साथ ही अनियमितता पाये जाने पर कार्रवाई की जा रही है।

कृषि विभाग अधिकारियों की टीम ने पदमपुर मंडी में दो फर्मों पर छापेमारी कर अनियमितता पाए जाने पर उर्वरक जब्त कर आगामी आदेश तक विक्रय पर रोक लगाई है। साथ ही दोनों फर्म संचालकों को नोटिस देकर जवाब तलब किया गया है। सहायक निदेशक कृषि सुशील कुमार शर्मा के निर्देशन में मैसर्स गणपति ट्रेडर्स पुरानी धान मंडी पदमपुर तथा मैसर्स गर्ग एग्रो केमिकल्स पुरानी धान मंडी पदमपुर स्थित उर्वरक विक्रय करने वाली फर्मों पर छापा मारा गया। मैसर्स गणपति ट्रेडर्स उर्वरक विक्रेता प्रतिष्ठान पर उर्वरक नियंत्रण आदेश के विभिन्न प्रावधानों का उल्लंघन तथा अनियमितताएं पाये जाने पर कार्यवाही करते हुए कृषि अधिकारी तनप्रीत सिंह ने मौके पर फर्म को कारण बताओ नोटिस जारी किया तथा भंडारित उर्वरक को जब्त कर उसके विक्रय पर आगामी आदेशों तक रोक लगाई गई। संदेह के आधार पर भंडारित उर्वरकों में से रेंडम आधार पर दो नमूने डीएपी तथा एक नमूना यूरिया के जांच के लिए भरे गए।

इसी प्रकार मैसर्स गर्ग एग्रो केमिकल्स पर भंडारित उर्वरक निर्माता कंपनियों के प्रिंसिपल सर्टिफिकेट लाइसेंस में प्रविष्टि नहीं होने तथा गोदाम लाइसेंस में दर्ज नहीं होने के कारण भंडारित उर्वरक जब्त कर आगामी आदेशों तक विक्रय पर रोक लगाई गई तथा संबंधित फर्म को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

भंडारित उर्वरकों में से संदेह के आधार पर एक नमूना सिंगल सुपर फास्फेट तथा एक नमूना ट्रिपल सुपर फास्फेट का जांच के लिए लिया गया।

डॉ. सतीश शर्मा, संयुक्त निदेशक कृषि श्रीगंगानगर का कहना है कि उर्वरक विक्रेताओं के यहां नियमित रूप से जांच की जायेगी। जहां भी अनियमितताएं पाई जायेगी। उनके खिलाफ नियमानुसार विभागीय कार्रवाई की जायेगी।

जमीन विवाद में महिला समेत 4 घायल

- **10-12 लोगों ने धारदार हथियारों से हमला किया**
- **पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया**
- **विवाद की जड़ 23.50 बीघा जमीन है**

अनूपगढ़, (कासं)। अनूपगढ़ के गांव 5 पी में सुबह करीब 9:30 बजे जमीन विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। खेत में काम कर रहे काश्तकारों पर 10-12 लोगों ने लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला कर दिया।

हमले में एक महिला सहित चार लोग घायल हो गए। आसपास के किसानों ने घायलों को अनूपगढ़ के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने मामले में दो लोगों को हिरासत में लिया है। विवाद की जड़ 23.50 बीघा जमीन है। घायल राजेश कुमार सोनी के पिता राजेंद्र कुमार सोनी ने वर्ष 1984 में यह जमीन बीकानेर निवासी वेद प्रकाश से खरीदी थी। किश्त पूरी नहीं भर पाने के कारण जमीन को राज रकबा घोषित कर दिया गया। लेकिन राजेन्द्र सोनी इस पर काश्तकारी करते रहे। बाद में मामला न्यायालय में पहुंचा और आरएए कोर्ट श्रीगंगानगर ने राजेश सोनी के पक्ष में स्टे आदेश जारी किया। इसी बीच वर्ष 2023 में वेदप्रकाश ने यह जमीन एक अन्य पक्ष को बेच दी। इसके बाद से दोनों पक्षों के बीच कब्जे को लेकर विवाद चल रहा था। विवाद बढ़ने पर हमला हो गया। सूचना मिलते ही एसएचओ ईश्वर जांगिड़ पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की।

जल मन्दिर का लोकार्पण आज

बीकानेर, (कासं)। प्रेमरतन राठी परिवार, गंगाशहर-कोलकाता द्वारा गंगाशहर में नोखा रोड़, पुराने बस स्टैण्ड पर फकीरचन्द सूरजमल राठी जल मन्दिर का नवीनीकरण करवा कर रविवार को प्रातः 11.00 बजे लोकार्पण किया जायेगा।

विश्वेसर भट्टड़ ने बताया कि इस प्याऊ का निर्माण सन् 1958 में सूरजमल राठी ने अपने पिताश्री फकीरचन्द राठी की पावन स्मृति में करवाया था। समय के साथ इसमें नवीनीकरण की आवश्यकता थी। सूरजमल के पुत्र प्रेमरतन राठी परिवार ने वर्तमान में इसका नवीनीकरण करवा कर इस प्याऊ में शीतल व शुद्ध जल की व्यवस्था हेतु वाटर कूलर, वाटर प्यूरीफायर, ऑटोमैटिक सेंसर सहित वाटर टैंक आदि की सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है।

नृसिंहदास भट्टड़ ने बताया कि इस प्याऊ के नवीनीकरण में गंगाशहर नागरिक परिषद् के जतनलाल दूगड़, सम्पतलाल दूगड़, बच्छराज रांका, महेन्द्र चौपड़ा आदि के साथ ही सुरेश माली, ओमजी जाजड़ा आदि का मार्ग दर्शन एवं सहयोग मिला है।

एमजीएसयू में आरोग्य मंदिर का शुभारंभ

- **विश्वविद्यालय कर्मियों और आस-पास के आमजन को चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी**

बीकानेर, (कासं)। महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय परिसर में शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर का शुभारंभ किया गया। इस मंदिर की स्थापना का उद्देश्य विद्यार्थियों, विश्वविद्यालय कर्मियों और आस-पास के आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलगुरू आचार्य मनोज दीक्षित ने किया। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पुखराज साध, विश्वविद्यालय कुलसचिव अरविन्द बिश्नोई और अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. मेघना शर्मा उपस्थित थे। सीएमएचओ डॉ. साध ने बताया कि इस केन्द्र पर निशुल्क दवाईयां, प्राथमिक जांच, चिकित्सकीय परामर्श, मौसमी बीमारी निगरानी एवं नर्सिंग स्टाफ की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इस दौरान डॉ. मेघना शर्मा, अरविन्द बिश्नोई, कुलदीप जैन मौजूद थे। बीकानेर में अब 26 केन्द्र इस उद्घाटन के साथ ही बीकानेर जिले में शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की संख्या 26 हो गई है। इन केन्द्रों से स्थानीय जनता को भी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ और निशुल्क मिल रही हैं।

पेट्रोल बोतल हमलावरों का नहीं लगा सुराग

- **यह शहर की सबसे व्यस्ततम सड़कों में से एक है। खास बात यह है कि इस मामले में किसी भी व्यक्ति की ओर से परिवाद तक नहीं दिया गया है**

श्रीगंगानगर, (कासं)। राधेश्याम की कोठी वाली रोड पर बुधवार रात को व्यापारी पर हुए पेट्रोल हमले में शामिल आरोपियों का पुलिस कोई सुराग नहीं लगा पाई।

यह शहर की सबसे व्यस्ततम सड़कों में से एक है। खास बात यह है कि इस मामले में किसी भी व्यक्ति की ओर से परिवाद तक नहीं दिया गया है। जिस दुकान के सामने पेट्रोल हमला किया गया, उसके मालिक ने पुलिस के पास कोई शिकायत नहीं दी है।

गौरतलब है कि बुधवार रात करीब 10 बजे आदर्श पार्क के कॉर्नर पर स्थित एक गारमेंट्स की दुकान को टारगेट कर पेट्रोल से भरी बोतल में आग लगाकर फेंका गया था। बोतल दुकानदार तक नहीं पहुंची लेकिन बाहर गोलगप्पे की रेहड़ी लगाने वाला राजकुमार इसकी चपेट में आकर झुलस गया था। राजकुमार का इलाज सरकारी हॉस्पिटल में करवाया गया। इस बीच घटना के सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर दिनभर शेयर होते रहे। घटना के बाद पुलिस की ओर से नाकाबंदी करवाई गई थी।

पुलिस की टीमें घटनास्थल के अलावा आरोपियों के फरार होने के रास्तों की सीसीटीवी फुटेज भी खंगालती रही। इसके बाद भी पुलिस आरोपियों की पहचान तक नहीं कर पाई है। कोतवाली थाना प्रभारी पृथ्वीपाल सिंह ने बताया कि संबंधित व्यापारी की ओर से कोई परिवाद नहीं दिया गया है। घटना में झुलसे गोलगप्पे की रेहड़ी लगाने वाले की ओर से भी अभी कोई शिकायत नहीं मिली है। पुलिस अपने स्तर पर आरोपियों की तलाश कर रही है। आरोपियों के मुंह ढके होने के कारण पहचान नहीं हो पाई है। ऐसे में उनके भागने के रास्ते व अन्य तकनीकी माध्यमों से ट्रेस करने की कोशिश जारी है।

पीबीएम की नर्सिंग अधिकारी ने कैंसर की रोकथाम के उपायों की जानकारी दी

- **जयबाला ने कैंसर की रोकथाम के लिए स्वस्थ आहार, नियमित व्यायाम, तंबाकू एवं शराब से बचाव तथा नियमित स्वास्थ्य जांच जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी दी**

बीकानेर, (कासं)। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित दस दिवसीय जागरूकता अभियान के तहत शनिवार को महिला अधिकारिता विभाग के निर्देशन में सखी वन स्टॉप सेंटर पर कैंसर और एनीमिया की रोकथाम तथा स्वास्थ्य एवं पोषण पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ।

उपनिदेशक डॉ. अनुराधा सक्सेना ने बताया कि पीबीएम कैंसर विभाग से नर्सिंग ऑफिसर जयबाला ने कैंसर की रोकथाम के लिए स्वस्थ आहार, नियमित व्यायाम, तंबाकू एवं शराब से बचाव तथा नियमित स्वास्थ्य जांच जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। इसी क्रम में एनीमिया रोकथाम के लिए आयरन युक्त आहार एवं विटामिन सी के सेवन पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में यह संदेश दिया गया कि स्वच्छता, स्वस्थ जीवनशैली, जागरूकता और शिक्षा ऐसे पहलू हैं जिनके माध्यम से हर बीमारी से बचा जा सकता है। इन उपायों को अपनाकर हम न केवल कैंसर और एनीमिया जैसी बीमारियों से बच सकते हैं, बल्कि स्वस्थ और समृद्ध जीवन जीने की दिशा में कदम भी बढ़ा सकते हैं। इस दौरान आमजन ने संकल्प लिया कि सभी मिलकर स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ायेंगे और स्वस्थ समाज का निर्माण करेंगे। महिला अधिकारिता विभाग का उद्देश्य न केवल महिलाओं को सशक्त बनाना है, बल्कि एक स्वस्थ समाज का निर्माण करना भी है। इस कार्यक्रम में पीएसएस के की कविता हुरकट, भाग्यश्री, सरिता राठौड़ एवं संतोष बारिया उपस्थित थे।

सहायता एवं राहत सामग्री पंजाब भेजी

- **40 ट्रोली चारा, सेना के समन्वय से 4 नावें तथा सादुलशहर विधानसभा क्षेत्र से 15 लाख रूपये एवं आर्मी कैंप से 11 लाख रूपये की सहायता राशि भिजवाई गई है**

जयपुर, (कासं)। मुख्यमंत्री की प्रेरणा से श्रीगंगानगर जिला मुख्यालय से दानदाताओं एवं अन्य ट्रस्टों के माध्यम से 4 हजार राशन किट, 2 हजार 500 तिरपाल, 2 हजार पानी की बोतलें, 1 हजार मेडिकल किट, पशुओं के लिए 1 हजार चारा बैग, 40 ट्रोली चारा, सेना के समन्वय से 4 नावें तथा सादुलशहर विधानसभा क्षेत्र से 15 लाख रूपये एवं आर्मी कैंप से 11 लाख रूपये की सहायता राशि भिजवाई गई है। गत दिनों राज्य में अतिवृष्टि से उत्पन्न स्थिति की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सीमावर्ती क्षेत्र के जिला कलेक्टर्स को सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों तथा लोगों की मदद से पड़ोसी राज्य पंजाब में भारी बारिश से आयी आपदा में मदद भिजवाने के निर्देश दिए थे।इसके अतिरिक्त गंगानगर ट्रेडर्स एसोसिएशन की ओर गुरूवार को राहत सामग्री भिजवाई गई जिसमें 200 राशन किट, 1700 तिरपाल एवं 1 हजार पानी की बोतल सहित अन्य सामग्री भिजवाई गई।

मुख्यमंत्री के आव्हान पर गंगानगर जिले के पदमपुर उपखण्ड क्षेत्र से 2 लाख 26 हजार 800 रूपये की खाद्य सामग्री, 1 लाख 5 हजार रूपये की पानी की बोतलें, 186 बैग खलचूरी, 1 लाख 50 हजार रूपये का चारा तथा 1 लाख 46 हजार रूपये की नगद सहायता भेजी गई। उपखण्ड क्षेत्र श्रीविजयनगर से विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा 150 क्विंटल गेंहू, पानी की 2 400 बोतल, बिस्किट के 1000 पैकेट तथा 20 हजार रूपये भेजे।

की मेडिकल किट एवं दवाइयां भेजी गई। वहीं उपखण्ड क्षेत्र श्री करणपुर से 350 क्विंटल गेंहू, 50 क्विंटल चावल, 8 क्विंटल दाले, 45 किलोग्राम मसालें, 12 क्विंटल चीनी, 75 किलोग्राम चायपत्ती, 35 क्विंटल सरसों तेल, 4 हजार पैकेट बिस्किट, 5 हजार पानी की बोतल, पशुओं के लिए 7 हजार क्विंटल चारा भेजा गया। इसके साथ ही उपखण्ड क्षेत्र घड़साना से 60 क्विंटल राशन, 30 क्विंटल गेंहू का आटा, 500 मेडिकल किट, 400 नाश्ता पैकेट, 300 पेटी पानी की बोतल पंजाब भेजी गई हैं। रायसिंह नगर उपखण्ड क्षेत्र से 1200 फूड पैकेट, 40 क्विंटल खाद्य सामग्री, 1000 मेडिकल किट भिजवाई गई है।

सार-समाचार

साहित्यकार भारद्वाज का अभिनंदन

बीकानेर, (कासं)। साझी विरासत के तत्वावधान में देश के ख्यातनाम पत्रकार-साहित्यकार मुकेश भारद्वाज का नागरिक अभिनंदन नरेन्द्र भवन में किया गया। अभिनंदन समारोह में उन्हें 'अक्षर मित्र सम्मान' अर्पित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार, कवि-कथाकार राजेन्द्र जोशी ने कहा कि मुकेश भारद्वाज के विचार हमेशा सामाजिक और राजनैतिक मुद्दों पर केंद्रित रहते हैं। जोशी ने कहा उनके विचार केवल राजनैतिक ही नहीं होत बल्कि सामाजिक और नैतिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि भारद्वाज सत्ता और समाज के शीर्ष लोगों से आव्हान करते हैं कि उन्हें सभी वर्गों के प्रति निष्पक्ष और संवेदनशील होना चाहिए। इस अवसर पर मुकेश भारद्वाज ने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष मीडिया की भूमिका लोकतंत्र में बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने मीडिया को सच्चाई और निष्पक्षता के साथ समाज के सामने प्रस्तुत करने की आवश्यकता पर बल दिया। भारद्वाज ने मीडिया की भूमिका और उसकी जिम्मेदारियों, समाज में सच्चाई और निष्पक्षता पर विस्तार से प्रकाश डाला। व्यंग्यकार-संपादक डॉ.अजय जोशी ने मुकेश भारद्वाज के विचारों और उनके सामाजिक और राजनीतिक दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करने वाला बताया। व्यंग्यकार बुलाकी शर्मा ने उनके साहित्यिक अवदान और खोजी पत्रकारिता की बात रखी। साहित्यकार राजाराम स्वर्णकार ने अभिनंदन पत्र का वाचन किया। कार्यक्रम में युवा पत्रकार रोहित शर्मा का भी अभिनंदन किया गया। डॉ.गौरीशंकर प्रजापत ने स्वागत उद्बोधन और सखा संगम के अध्यक्ष एन. डी. रंगा ने आभार प्रकट किया। इस अवसर पर अतिथियों ने भारद्वाज एवं रोहित को शॉल, श्रीफल, अभिनन्दन पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया।

तेली प्रतिभा सम्मान समारोह 28 को

बीकानेर, (कासं)। नागौरी तेलियान समाज बीकानेर के इस साल दसवीं एवं बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण होनहार छात्र-छात्राओं का प्रतिभा सम्मान समारोह आगामी 28 सितम्बर रविवार सुबह 11 बजे हसनैन चैरिटेबल ट्रस्ट में आयोजित किया जायेगा। समिति के मीडिया प्रभारी एडवोकेट मकबूल खान ने बताया कि इस प्रतिभा सम्मान समारोह में नागौरी तेलियान समाज बीकानेर के इस साल दसवीं और बारहवीं कक्षा की परीक्षा में 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं एवं नागौरी तेली समाज की अन्य विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। समिति के सिकन्दर राठौड़ ने बताया कि प्रतिभा सम्मान समारोह के पोस्टर का विमोचन चुंगी चौकी स्थित नागौरी तेली समाज भवन में किया गया। विमोचन समारोह की अध्यक्षता नगर निगम के सहायक अभियंता नजीर गौरी ने की पोस्टर विमोचन समारोह में समाज के व समिति के अमीर वली मौ. गौरी रिजवी, हसन अली गोरी, एडवोकेट सैय्यद इशाक अली, खेरदिन राठौड़ आदि मौजूद थे।

फाइनेंसर पर ठगी का आरोप

श्रीगंगानगर, (कासं)। एक युवक को धमकाकर धोखाधड़ी और ब्याज के नाम पर अवैध वसूली के आरोप में दो लोगों के खिलाफ सदर थाना में केस दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार इनमें से एक व्यक्ति फाइनेंसर व दूसरा कथित तांत्रिक हैं। परिवादी विकास शर्मा निवासी शिवम एन्कलेव की शिकायत पर पुलिस ने फाइनेंसर रजनीश चौधरी निवासी पूजा कॉलोनी व कथित तांत्रिक कुलदीप बाबा निवासी ठाकरांवाली के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया है। परिवादी विकास शर्मा ने बताया कि उसकी रजनीश से पहचान टाटा मोटर्स में नौकरी के दौरान हुई थी। विकास ने आरोप लगाया कि उससे लाखों रुपए ब्याज सहित वसूल किए। इसके बाद भी और रुपयों की मांग की और ऐसा नहीं करने पर समाज में बेइज्जत करने की धमकी दी। परिवादी ने बताया कि रजनीश के एक जानकार व्यक्ति ने उसे एक तांत्रिक कुलदीप से मिलवाया। और झांसा दिया गया कि पूजा करवाने से सभी दिक्कतें दूर हो जाएंगी। इसके बाद कथित तांत्रिक कुलदीप कुमार ने उसकी आर्थिक मजबूरी का फायदा उठाया। कुलदीप ने टोने-टोटके के नाम पर मोटी रकम ऐंठी। आरोपियों ने उसकी जमीन का सौदा कम दामों पर करने के लिए भी दबाव बनाया। विरोध करने पर उसे व उसके परिवार को बदनाम करने की धमकी दी जाती है।

संयोजक और सहसंयोजकों की घोषणा

बीकानेर ।भाजपा शहर बीकानेर ने प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौर के निर्देशानुसार आगामी कार्यक्रम आत्मनिर्भर भारत संलकप अभियान के तहत शहर अध्यक्ष सुमन छाजेड़ ने जिला महामंत्री कौशल शर्मा को संयोजक ओर जिला मंत्री धर्मेंद्र सिंह सोलंकी, प्रोमिला गौतम, प्रवक्ता दुष्यंत सिंह तंवर को सह संयोजक बनाया । मीडिया संयोजक कमल गहलोत ने बताया कि जिलाध्यक्ष सुमन छाजेड़ ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान देश की अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढाँचा, प्रौद्योगिकी, जनसांख्यिकी और माँग-आपूर्ति ये पाँच स्तंभ उद्योगों को मज़बूत करने, डिजिटल और भौतिक बुनियादी ढाँचे में सुधार, कुशल कार्यबल विकसित करने और अन्य देशों पर निर्भरता कम करने के लिए स्थानीय उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने पर केंद्रित हैं ।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को राजधानी जयपुर में अमर जवान ज्योति से राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की 160 नई ब्लू लाइन एक्सप्रेस बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मुख्यमंत्री ने 160 नई ब्लूलाइन बसों को हरी झंडी दिखाई

उन्होंने कहा कि यातायात को नियंत्रित करने व यात्रियों को बेहतर सुविधा देने में यह खेप उपयोगी साबित होगी

जयपुर, 6 सितम्बर। राजस्थान में यातायात व्यवस्था को सशक्त और सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को राजधानी जयपुर स्थित अमर जवान ज्योति से राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम (आरएसआरटीसी) की 160 नई ब्लू लाइन एक्सप्रेस बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही जयपुर से उत्तराखंड के काठगोदाम (कैंचीधाम) के लिए सुपर लग्ज़री बस सेवा की भी शुरुआत की गई।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बाबा नीम करौली धाम (कैंचीधाम) जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए जयपुर से काठगोदाम सुपर लग्ज़री बस सेवा शुरू की गयी है।**

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, हमारी सरकार का संकल्प है कि राज्य के हर नागरिक तक सुरक्षित, सुलभ और आधुनिक परिवहन सुविधा पहुंचे। यह केवल बसों का संचालन नहीं, बल्कि विकास और विश्वास की ओर बढ़ाया गया एक और मजबूत कदम है। उन्होंने कहा कि यातायात के बढ़ते दबाव को नियंत्रित करने और यात्रियों को बेहतर सुविधा देने के लिए आधुनिक बसों की यह नई खेप उपयोगी साबित होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनता की सुविधा को केंद्र में रखकर योजनाएं बना रही है, और उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि जयपुर से काठगोदाम तक शुरू की गई सुपर लग्ज़री बस सेवा बाबा नीम करौली धाम (कैंचीधाम) जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ी सौगात है। इससे न केवल श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी, बल्कि राज्य में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री शर्मा ने बसों का विधिवत् पूजन कर उनका अवलोकन किया और इनमें दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक परिवहन के क्षेत्र में राजस्थान देश में एक मिसाल बने, इसके लिए सरकार पूरी गंभीरता से कार्य कर रही है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, विधायक गोपाल शर्मा, आरएसआरटीसी की अध्यक्ष शुभ्रा सिंह, परिवहन विभाग की शासन सचिव शुचि त्यागी, निगम के प्रबंध निदेशक पुरुषोत्तम शर्मा सहित परिवहन विभाग और निगम के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मोदी ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति के साथ फोन पर वार्ता की

इस वार्ता में रूस-यूक्रेन संघर्ष के समाधान के प्रयासों पर विचार साझा किए

नयी दिल्ली, 06 सितम्बर। रूस-यूक्रेन संघर्ष के समाधान को लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किये जा रहे प्रयासों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ टेलीफोन पर बातचीत की और कहा कि दोनों देशों के बीच जो रणनीतिक साझेदारी है, उसकी वैश्विक शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका है।

मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति मैक्रों के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। हमने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा और आकलन किया। यूक्रेन में संघर्ष को शीघ्र समाप्त करने के प्रयासों सहित अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी वैश्विक शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेगी।

- **प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति मैक्रों को अगले वर्ष फरवरी में हो रहे ए आई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन का निमंत्रण स्वीकार करने के लिए धन्यवाद दिया।**

प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि दोनों नेताओं ने आर्थिक, रक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति की समीक्षा की और उसका आकलन किया। उन्होंने फ्रांस के साथ "होराइजन 2047 रोडमैप", हिंद-प्रशांत रोडमैप और रक्षा औद्योगिक रोडमैप के अनुरूप भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को और मज़बूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की। प्रधानमंत्री मोदी ने अगले वर्ष फरवरी में भारत में आयोजित किये जाने वाले 'एआई इम्पैक्ट' शिखर सम्मेलन के लिए निमंत्रण स्वीकार करने पर राष्ट्रपति मैक्रों को धन्यवाद दिया और भारत में उनका स्वागत करने के लिए उत्सुकता व्यक्त की।

उत्तरकाशी में फिर बादल फटे

देहरादून, 06 सितंबर। उत्तराखंड में अब तक सर्वाधिक आपदाग्रस्त जनपद उत्तरकाशी में शनिवार को अब एक नए इलाके में बादल फटने से व्यापक नुकसान हुआ है। अभी तक मिली जानकारी के अनुसार, नौगांव क्षेत्र में अतिवृष्टि के कारण नौगांव खड्डु, देवलसारी खड्डु एवं मुराडी खड्डु का जलस्तर बढ़ने से कई स्थानों पर मलबा व पानी घरों में घुस गया। समाचार लिखने तक किसी जन अथवा पशु हानि की सूचना नहीं मिली। लगातार हो रही बरसात के कारण रेस्क्यू टीमों से भी संपर्क नहीं हो पा रहा है।

- **अभी तक किसी नुकसान की खबर नहीं मिली है पर पता चला है कि कई घरों में पानी और मलबा घुस गया है।**

देश का पहला ए.आई.-समर्थित द्विभाषी लर्निंग प्लेटफ़ॉर्म हुआ लॉन्च

नोएडा 06 सितंबर। उत्तर प्रदेश के जिला गौतमबुद्धनगर परिक्षेत्र नोएडा से शुरू हुई शिक्षा में नई क्रांति कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) आधारित द्विभाषी लर्निंग का प्लेटफार्म किया गया लॉन्च।

निजी शिक्षण संस्थान द्वारा शनिवार को आयोजित किए गए कार्यक्रम में शिक्षा क्षेत्र की नई क्रांति के आगाज में उत्तर प्रदेश राज्य लोक निर्माण विभाग व गौतमबुद्धनगर जिला प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह भी शामिल हुए।

शिक्षा क्षेत्र में लाई गई एआई आधारित इस नई क्रांति से भारत के ग्रामीण और शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक आकांक्षाओं को पूरा कराना संकल्प है। इस प्लेटफ़ॉर्म से कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों को उच्च-गुणवत्ता वाली, सुलभ और किफायती शिक्षा उपलब्ध कराने का उच्च माध्यम प्राप्त होगा। साथ ही यह युवाओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने में मददगार साबित होगा जिसमें अपस्किलिंग प्रोग्राम्स भी प्रदान किए जाएंगे। एआई-इनेबल्ड पर्सनलाइज्ड लर्निंग टूल्स, द्विभाषी कंटेंट, लाइव इंटरैक्टिव सेशन्स, संरचित नोट्स और स्किल डेवलपमेंट मॉड्यूल्स से एक व्यापक और समावेशी लर्निंग इकोसिस्टम के अंतर्गत छात्रों को भविष्य की तैयारियों में बेहतर सहयोगी साबित होगी।

वोट अधिकार यात्रा से उत्साहित कांग्रेस ने बिहार में 100 सीट मांगीं

महागठबंधन के घटक दलों को आशा है कि सीटों का बंटवारा शीघ्र हो जायेगा

पटना, 06 सितंबर । बिहार में महागठबंधन ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे पर विचार-विमर्श तेज़ कर दी है और उम्मीद जताई है कि सीट बंटवारे को जल्द ही अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

इस संबंध में महागठबंधन के घटक दलों के नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आज विपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव के आवास पर हुई। बैठक के बाद विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) प्रमुख मुकेश सहनी ने 15 सितंबर तक स्थिति साफ होने की उम्मीद जताई । वहीँ, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने संवाददाताओं को बताया कि चर्चा पूरी तरह पारदर्शी रही है और बहुत जल्द सीट बंटवारे के मुद्दे को अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

सोलह दिनों तक चली वोटर अधिकार यात्रा के समापन के बाद महागठबंधन की यह पहली उच्च स्तरीय चर्चा थी, जिसमें बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) प्रमुख मुकेश सहनी सहित अन्य लोग शामिल हुए।

राजेश राम ने ज़ोर देकर कहा कि सभी 243 सीटों पर चर्चा चल रही है।

- **बिहार में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के निवास पर घटक दलों के नेताओं की बैठक में गहन विचार-विमर्श हुआ।**

चूँकि नए सहयोगियों को शामिल किया जा रहा है, इसलिए हर पार्टी को त्याग के लिए तैयार रहना चाहिए।

बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने कहा कि बातचीत सकारात्मक रूप से आगे बढ़ रही है, और सीटों की संख्या पर फैसला उचित समय पर लिया जाएगा।

विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश सहनी, जिन्होंने अपनी पार्टी के लिए 60 सीटों पर दावा किया है, ने कहा कि चर्चा "खुशी के माहौल" में हुई और उम्मीद है कि 15 सितंबर से पहले सीट बंटवारे कि स्थिति साफ हो जाएगी।

दूसरी तरफ वाम दल भी ज़्यादा हिस्सेदारी की माँग कर रहे हैं, जबकि भाकपा के राज्य सचिव राम नरेश पांडे ने याद दिलाया कि 2020 के चुनावों में उनकी पार्टी को "सम्मानजनक प्रतिनिधित्व" नहीं दिया गया था और इस बार उन्होंने बेहतर सीट साझेदारी की माँग की।

यू.एन. ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

थे, जहाँ उन्होंने वॉशिंगटन स्थित वाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की थी। ट्रंप ने भारत पर कुल 50 प्रतिशत शुल्क लगाए हैं, जिनमें रूस से तेल खरीदने के लिए दिल्ली पर 25 प्रतिशत शुल्क शामिल है।

यू एन जी ए के वक्ताओं की सूची अस्थायी होती है और उच्च स्तरीय सप्ताह की शुरुआत से पहले कार्यक्रमों और वक्ताओं में बदलाव की संभावना हमेशा बनी रहती है।

इस सूची को आवश्यकतानुसार अपडेट किया जाता रहेगा। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में यह सत्र वर्ष का "सबसे व्यस्त कूटनीतिक समय" माना जाता है और यह उच्च स्तरीय सत्र हर साल सितंबर में शुरू होता है। इस वर्ष का सत्र इज़राइल-हमास युद्ध और यूक्रेन संघर्ष के बीच हो रहा है। 80वें सत्र की थीम है: बेहतर साथ: शांति, विकास और मानवाधिकारों के लिए 80 वर्ष और आगे।

युवा कांग्रेस ने पंजाब व जम्मू-कश्मीर राहत सामग्री भेजी

नयी दिल्ली, 06 सितंबर। युवा कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु चिब ने बाढ़ से जूझ रहे पंजाब और जम्मू-कश्मीर के पीड़ितों के लिए शनिवार को यहां से आवश्यक राहत सामग्री की पहली खेप रवाना की।

युवा कांग्रेस के प्रवक्ता वरुण पांडे के अनुसार, आपदा पीड़ितों की मदद के लिए संगठन ने जो राहत सामग्री भेजी है, उसमें दो ट्रकों में आलू, प्याज, चीनी, तेल, मसाले, पानी की बोतलें, दवाइयां आदि दैनिक ज़रूरत की राहत सामग्री शामिल है। संगठन ने बाढ़ प्रभावितों के लिए यह खेप यहां स्थित अपने मुख्यालय से भेजी है।

- **पहली खेप में दो ट्रकों में आलू, प्याज-चीनी, तेल, मसाले, पानी की बोतलें व दवाईयां भेजी गयी हैं।**

इस मौके पर युवा कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु चिब ने कहा कि जम्मू-कश्मीर और पंजाब के बाढ़ प्रभावितों के लिए अपने नेता राहुल गांधी से प्रेरणा लेते हुए उनके संगठन ने यह सामग्री भेजी है। उनका कहना था कि मुसीबत की घड़ी में इंसानियत ही सबसे बड़ी ताक़त है, इसलिए उन्होंने ज़रूरतमंदों तक राशन, भोजन, दवाइयाँ और पीने का पानी पहुँचाने का प्रयास किया है।

बोराज गांव की अंबानाड़ी की दीवार टूटी, स्वास्तिक नगर फिर जलमग्न

अजमेर में बारिश का कहर जारी है, जिले में कई तालाबों की पाल टूट गई

अजमेर, 6 सितम्बर (कासं)। जिले में भारी बारिश से अजमेर और आसपास के क्षेत्रों में कई तालाबों की पाल टूटने से समीपवर्ती क्षेत्र जलमग्न हो गए हैं। जहाँ आनासागर और वरुण सागर में चादर चल रही है, वहीं नसीराबाद उपखंड का बीर तालाब 50 साल बाद छलकने को तैयार है। बोराज गांव की अंबा नाड़ी की दीवार टूटने से एक बार फिर स्वास्तिक नगर में पानी भर गया।

- **स्वास्तिक नगर में अंबा की नाड़ी की दीवार टूटने से आई बाढ़ को स्थानीय लोगों ने प्रशासन की लापरवाही बताया और कहा कि पाल की दीवार से पानी रिस रहा था जिसकी कई बार शिकायत की गई थी पर प्रशासन ने इस पर ध्यान नहीं दिया।**
- **नसीराबाद उपखंड का बीर का तालाब 50 साल बाद लबालब भरा है।**

अजमेर शहर सहित, जिले भर में शनिवार को लगातार हो रही बरसात ने शहर की निचली बस्तियों में पानी-पानी कर दिया है तथा प्रशासन बेबस नज़र आ रहा है। तेज बारिश से शनिवार को बोराज की अंबा नाड़ी ओवरफ्लो होने से उसकी पाल टूट गई तथा पानी तेज बहाव से स्वास्तिक नगर में घुस गया।

स्थानीय नागरिक सुनील ने बताया कि यह प्रशासन की विफलता है। तीन साल से बोराज गांव की पाल से पानी का रिसाव हो रहा था, कई बार प्रशासन को अवगत भी करवाया गया, लेकिन किसी ने सुध नहीं ली। यदि समय रहते पाल की मरम्मत कर दी जाती तो आज जो हालात बने हैं, वो नहीं बनते। स्वास्तिक नगर में 80 से अधिक मकानों के भीतर दो-तीन फुट पानी भरा हुआ है, वहीं, चार मकान ढह गए। क्षेत्र में बिजली पानी 36 घंटे से ठप है। स्वास्तिक नगर, आम का तालाब बजरंगगढ़ तथा महावीर सर्किल का पूरा कॉरिडोर पहले ही संवेदनशील घोषित है। 2020, 2022 और अब 2025 में, हर मानसून में यहां पानी भरता है। लगातार हो रही वर्षा से जिले के तालाब-बांध ओवर फ्लो हो गए हैं तथा आसपास की बस्तियों के डूबने का खतरा बढ़ गया है। बीर तालाब में शनिवार शाम 27.5 फीट पानी रिकॉर्ड किया गया। सन् 1975 के बाद पहली बार तालाब लबालब हुआ है। बरसों से पानी न आने के कारण लोगों ने यहाँ बहाव पथ में पक्के मकान खड़े कर लिए थे। अब खतरे का अंदेशा देखते हुए तहसील प्रशासन ने करीब 40 परिवारों को नोटिस देकर 24 घंटे में मकान खाली करने का निर्देश दिया है।

बोराज गांव की अंबा नाड़ी, रसूलपुरा, वरुण सागर तथा आनासागर चैनल गेट से छोड़ा जा रहा पानी नूरियावास, सराधना और डूमाड़ा के खेतों को डुबो चुका है। नसीराबाद के जाटिया गांव की पाल और भिनाय के कुरतल गांव के तालाब की पाल टूट गई है, जिससे पानी की तेजी से निकासी हो रही है। आसपास के क्षेत्रों के डूबने का खतरा है।

उदयपुर में 19 साल बाद आयड़ नदी उफान पर

क्षेत्र में मूसलाधार बारिश, बाढ़ जैसे हालात बने

वर्ष 2006 के बाद पहली बार आयड़ नदी उफान पर आई ।

उदयपुर, 6 सितम्बर (कासं)। उदयपुर शहर में देर रात से हुई मूसलाधार बारिश के बाद थूर की पाल से अथाह पानी आयड़ नदी में आया और करीब 19 साल बाद आयड़ नदी उफान पर आ गई। वर्ष 2006 के बाद शहर में ऐसी स्थिति बनी है। शहर के आलू फैक्ट्री, नवरत्न कॉम्पलेक्स, साइफन, आयड़ व ठोकर चौराहे सहित, निचली बस्तियों में पानी भर गया। शहर की इन बस्तियों में एक मंजिल तक पानी भर गया। शहर के करजाली हाउस में आयड़ नदी से सटी गली में पानी भर गया। रेस्क्यू टीम ने वहां लोगों को घरों से बाहर निकाला, पर कई लोग घरों की छत पर चढ़कर पानी उतरने का इंतजार करते रहे। आयड़ नदी में दोपहर 12 बजे जल प्रवाह बढ़ना शुरु हुआ और 12.45 तक नदी पूरे उफान पर आ गई।

- **आयड़ नदी में मछली पकड़ते दो युवक फंसे, एक को सुरक्षित निकाला, पर दूसरा युवक बह गया।**
- **उदयपुर में यलो अलर्ट है, लगातार बारिश हो रही है, गोगुंदा में 8 इंच पानी बरसा।**

शहर की थूर की पाल से पानी बेदला नदी होते हुए आयड़ नदी में पहुंचा, जिससे बस्तियों में पानी घुस गया। पुरोहितों की मादड़ी के पास मछली पकड़ रहे दो युवक तेज बहाव में फंस गए। एक युवक आगे बह गया तथा दूसरा युवक वहीं चट्टान पर बैठा रहा, जिसे करीब सात घंटे बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

आयड़ नदी के प्रवाह में शहर की पॉश कॉलोनी नवरत्न और सेलिब्रेशन मॉल का बीच की कनेक्टिंग पुलिया से सम्पर्क टूट गया।

आयड़ नदी में आए उफान को देखने के लिए दिनभर शहरवासियों की भीड़ लगी रही। सिंचाई विभाग के बाढ़ नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार, सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे के बीच उदयपुर शहर में दो इंच से ज्यादा बारिश हुई। वहीं, गोगुन्दा में सर्वाधिक 8 इंच बारिश हुई। इसके अलावा मदार में 118 मिमी, वल्लभनगर में 111, झाड़ोल 44, कोटड़ा 64, ओगणा 78, सई 85, उदयसागर 50, बागोलिया 54, देवास प्रथम पर 27 मिमी बारिश हुई।

शहर के फतहसागर व स्वरुपसागर तालाब पर चादर चल रही है। सीसारमा नदी एक बार फिर 10 फीट तक बह रही है। स्वरूपसागर बांध के चारों गेट एक-एक फीट तक खोल दिए हैं। वहीं मदार नहर से आ रहे पानी के कारण फतहसागर के गेट चार-चार इंच तक खोल दिए गए। उदयसागर भी ओवर फ्लो हो रहा है। इसके भी दोनों गेट पांच-पांच फीट खुले हुए हैं। वहीं, समाचार लिखे जाने तक उदयपुर शहर में येलो अलर्ट के बीच फिर बारिश का दौर शुरू हुआ।

तकनीकी खराबी से इंडिगो का विमान वापस लौटा

कोच्चि/नयी दिल्ली, 06 सितंबर। इंडिगो का कोच्चि से अबू धाबी जा रहा विमान शनिवार को तकनीकी खराबी के कारण वापस कोच्चि लौट आया।

इंडिगो ने एक बयान में बताया कि उड़ान संख्या 6ई 1403 ने छह सितंबर को कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अबू धाबी के लिए उड़ान भरी थी। रास्ते में तकनीकी खराबी का पता चलने के बाद पायलट ने सतर्कता बरतते हुये विमान को वापस कोच्चि की तरफ मोड़ दिया।

- **यह विमान कोच्चि से अबू धाबी जा रहा था।**

कोच्चि हवाई अड्डे पर विमान की सुरक्षित लैंडिंग हुई। विमान को जरूरी जांच के लिए उड़ान भरने से रोक दिया गया है। यात्रियों को दूसरे विमान से अबू धाबी भेजा गया।

इंडिगो के एक प्रवक्ता ने यात्रियों को हुई असुविधा पर खेद जताया है और सुरक्षा के प्रति एयरलाइंस की प्रतिबद्धता दर्शायी है।

मोदी ने डिनर कैंसिल किया, अब वर्कशॉप होगी

उत्तर भारत में बाढ़ के कारण उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले दिया जाने वाला डिनर कार्यक्रम रद्द किया गया

नयी दिल्ली, 06 सितंबर। प्रधानमंत्री मोदी अब सांसदों को डिनर नहीं कराएंगे। डिनर का कार्यक्रम रद्द हो गया है। आठ सितंबर को पीएम मोदी सांसदों को डिनर कराने वाले थे। आज बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा भी सांसदों को डिनर कराने वाले थे। वो भी कार्यक्रम रद्द कर दिया गया है। उत्तर भारत के राज्यों में आई बाढ़ के कारण जेपी नड्डा और पीएम मोदी ने डिनर कार्यक्रम को रद्दकिया है।

उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले बीजेपी के सांसदों की दो दिन की वर्कशॉप होगी। रविवार सुबह ग्यारह बजे से वर्कशॉप शुरू होगी। पीएम नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा भी इसमें हिस्सा लेंगे। इसमें सबसे पहले जीएसटी 2.0 पर पीएम मोदी का अभिनंदन और आभार व्यक्त किया जाएगा। सांसदों के लिए चार सत्र होंगे। पहला सत्र आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी भारत, ईज ऑफ डूइंग और युवा शक्ति एवं रोज़गार पर होगा। दूसरा सत्र सांसदों द्वारा सोशल मीडिया का प्रभावी प्रयोग पर आयोजित किया गया है।

- **रविवार को भाजपा सांसदों की दो दिन की वर्कशॉप आयोजित की गई है। पहले दिन चार सत्र में कार्यक्रम तय किये गये हैं।**

तीसरा सत्र सांसदों की स्थायी समिति के समूहों का होगा।

इसमें अलग-अलग मंत्रालयों की संसदीय समितियों के अनुसार सांसदों से चर्चा होगी।संसदीय समिति की कार्यवाही का महत्व, संसद सत्र की तैयारी, संसदीय नियमावली का उपयोग, मंत्रालय रिपोर्ट का अध्ययन, अधीनस्थ विधान की जानकारी, सांसद के रूप में व्यवहार और सावधानी, दिशा बैठक में सहभागिता आदि पर चर्चा होगी. चौथे सत्र में सागरीय क्षेत्र, लेफ्ट विंग क्षेत्र, ग्रामीण क्षेत्र, शहरी क्षेत्र और पहाड़ी तथा उत्तर पूर्व क्षेत्र के बारे में चर्चा होगी।

राजस्थान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

(व्यय) विभाग और पीएनबी के ज़ोनल हेड ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया, पीएनबी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अशोक चंद्र सहित वित्त विभाग व मुख्यमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी तथा बैंक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:-**राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

युवा हृदय सम्राट, जन नेता
राजनीति के चमकते सितारे
आदरणीय
सचिन पायलट जी
को जन्मदिन की
हार्दिक शुभकामनाएं
7 SEPTEMBER 2025
महेश शर्मा
Ex राज्य मंत्री, राज सरकार
राजेश चौधरी
महासचिव प्रदेश कांग्रेस
श्रीमती गंगा देवी
पूर्व विधायक बगरू
सुनील पारवानी
महासचिव राज. प्रदेश कांग्रेस कमेटी
मो. इकबाल
सचिव PCC, Ex. VP RCA
महेन्द्र सिंह रलावता
कांग्रेस प्रत्याक्षी, अजमेर उत्तर
श्रीमती मंजू शर्मा
पूर्व उपाध्यक्षा विप्र कल्याण बोर्ड
गिरीश पारीक
महासचिव प्रदेश कांगेस
CA दिनेश श्रीमाली
सचिव राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी, अध्यक्ष राजस्थान पावर लिफ्टिंग संघ
प्रभु चौधरी
चैयरमैन, प्रभुजी डेयरी ग्रुप
गोविन्द महनसरिया
Ex. सभापति, न.प. चूरू
गजेन्द्र सिंह सांखला
एक्स सचिव पीसीसी
शमशेर खोकर
पूर्व रणजी खिलाडी
मौ. शरीफ खान
PCC सदस्य
नरेन्द्र यादव
सदस्य पं.स. गोविन्दगढ
भंवरलाल सारण
सदस्य पं.स. सांभर
रामदयाल वर्मा
सरपंच कलवाडा
विनय पाल सिंह जादौन
जिम्मी बना, उपाध्यक्ष DCC जयपुर शहर
हंसराज चौधरी (गाता)
यूवा नेता, टोंक
अकबर खांन
एडवोकेट राज. हाईकोर्ट
हरीराम सूद
सचिव यूथ कांग्रेस राज.
जितेन्द्र खिंची
सचिव राज. यूथ कांग्रेस
बंशी मीणा
सदस्य PCC
गौग राज देवन्दा
जाट महासभा, गोविन्दगढ
अभिषेक सैनी
OBC विभाग
विजय शंकर तिवाडी
Ex. अध्यक्ष यूथ कांग्रेस, जयपुर शहर
श्रीमती टीना शर्मा
महिला कांग्रेस
गजानन्द शर्मा
पूर्व पार्शद, न.नि. बीकानेर
रोशन शर्मा
Ex. सचिव DCC, जयपुर शहर
निवेदक: समस्त कांग्रेस कार्यक्रर्ता